शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 156 | गुवाहाटी | शनिवार, 4 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

आदिवासी संगठन ने कांगपोकपी जिले में शुरू की आर्थिक नाकेबंदी पेज 2
राज्य सभी विश्वविद्यालयों में एकसमान शैक्षणिक कैलेंडर लागू करने ... पेज 3
पंजाब में करोड़ों की हेरोइन समेत 12 गिरफ्तार पेज 5
सिडनी टेस्ट पहला दिन : भारत ने पहली पारी में बनाए 185 रन, ऑस्ट्रेलिया... पेज 7

असम समेत देश के 12 राज्यों में नाइलिट डीम्ड यूनिवर्सिटी का शुभारंभ

नॉर्थ ईस्ट देश को आगे ले जाने का नया इंजन : अश्विनी वैष्णव

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर की सतत प्रगति की दिशा में आज का दिन एक महत्वपूर्ण कदम है। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में असम समेत देश के कुल 12 स्थानों पर नाइलिट (एनआईएलईआईटी) डीम्ड यूनिवर्सिटी का औपचारिक रूप से शुभारंभ किया गया। इस मौके पर नाइलिट और टाटा इलेक्ट्रानिक्स के बीच एक एमओयू भी हस्ताक्षरित हुआ। कार्यक्रम में तीन जोड़ी नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई और तेतेलिया में एक ओवरब्रिज को भी राष्ट्र को समर्पित किया गया। इसके अलावा कोकराझार में एक एफएम रेडियो स्टेशन का शुभारंभ भी किया गया। इस मौके पर केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत के लिए नया इंजन। नॉर्थ ईस्ट देश को आगे ले जाने का नया इंजन है। असम में बहुत हिम्मत है। असम का युवा तैयार है। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुवाहाटी-न्यू लखीमपुर जनशताब्दी एक्सप्रेस, न्यू बंगाईगांव-गुवाहाटी पैसेंजर और तिनसुकिया-नाहरलगुन एक्सप्रेस को आज जिन तीन ट्रेनों की शुरुआत की, उनमें गुवाहाटी-न्यू लखीमपुर जनशताब्दी एक्सप्रेस शामिल हैं। कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भी शामिल हुए। इस मौके पर डॉ शर्मा ने कहा कि असम में आईटी और इलेक्ट्रॉनिक विश्वविद्यालय स्थापित किए जाएंगे। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एनआईईएलआईटी यानी नाइलिट) विश्वविद्यालय का नाम भूपेन हजारिका के नाम पर रखा जाएगा। देश में नाइलिट विश्वविद्यालय के 11 परिसर होंगे, जिसमें जागीरोड में एक परिसर स्थापित किया जाएगा। यहां पर इलेक्ट्रॉनिक सामग्री निर्माण की शिक्षा दी जाएगी। असम में निर्मित चीप का उपयोग जर्मनी की कारों में किया जाएगा। यह हमारे लिए गर्व का विषय है। केंद्र सरकार ने रेलवे के विकास के लिए 10 हजार करोड़ रुपए का बजट उपलब्ध कराए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि 2025 की शुरुआत में इतने सारे उपहार देने के लिए केंद्रीय मंत्री को बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं एक बार फिर 25 फरवरी को केंद्रीय मंत्री को एडवांटेज असम में आमंत्रित करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी 2047 तक हमारे देश को असम को विकसित बनाने के लिए सभी प्रयास कर रहे हैं। इसके आधार तकनीक शिक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

प्रौद्योगिकी 2047 के विकसित भारत की नींव होगी : सीएम

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य तथा मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा शुक्रवार गुवाहाटी के पल्टन बाजार रेलवे स्टेशन पर तीन ट्रेनों और विभिन्न परियोजनाओं को हरी झंडी दिखाते हुए। फोटो-दशरथ डेका

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को तीन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के असम दौरे पर आयोजित एक रैली को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में कई नई प्रगति हो रही है, खास तौर पर आज से तीन नई ट्रेनें शुरू हो रही हैं। ये हैं तिनसुकिया-नाहरलागुन-तिनसुकिया एक्सप्रेस, गुवाहाटी-न्यू बोंगाईगांव-गुवाहाटी पैसेंजर ट्रेन और गुवाहाटी-उत्तर लखीमपुर-गुवाहाटी जन शताब्दी एक्सप्रेस। शर्मा ने आगे कहा कि भारतीय रेलवे द्वारा निर्मित तेतेलिया में सड़क ओवर ब्रिज का भी शुक्रवार को उद्घाटन किया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए केंद्रीय रेल मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया, जो शुक्रवार को शुरू होने वाली एक अन्य बड़ी पहल है। शर्मा ने कहा कि आज नाइलिट विश्वविद्यालय का उद्घाटन भी है। मैं अश्विनी वैष्णव को धन्यवाद देता हूं क्योंकि भारत सरकार भारत में 12 स्थानों पर नाइलिट विश्वविद्यालय बनाने जा रही है। मैं भारत सरकार को मां कामाख्या की पवित्र भूमि से इस यात्रा की शुरुआत करने के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने भारत के भविष्य को आकार देने में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि 2047 के विकसित भारत के सपने की नींव प्रौद्योगिकी होगी। तकनीकी विकास और क्रांति हमें विकसित भारत की ओर ले जाएगी। जगीरोड में आने वाले सेमीकंडक्टर उद्योग के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2025 के अंत तक असेंबली यूनिट पूरी हो जाएगी और उद्योग चिप्स बनाएगा। जगीरोड से ये *मेड इन असम* चिप्स अमेरिका में कार बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने उद्योग में कुशल -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अशुभ कार्यों को नहीं करना चाहिए।

- आचार्य चाणक्य

सरकारी लाभार्थी योजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी करें विधायक : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पार्टी विधायकों को सरकारी लाभार्थी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि इसका लाभ समाज के सबसे हाशिए पर पड़े वर्गों तक पहुंचे। राज्य में इसी साल पंचायत चुनाव होने जा रहे हैं और विधानसभा चुनाव 2026 में होंगे। उन्होंने हाल ही में पार्टी विधायकों के साथ बैठक की और पंचायत तथा अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री ने विधायकों से पंचायत चुनावों में अच्छे प्रदर्शन पर जोर देने को कहा है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्रों में पंचायत चुनावों में प्रदर्शन 2026 के विधानसभा चुनावों में टिकट वितरण तय करेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कुछ विधायकों को विधानसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं दिया जा सकता है। मुख्यमंत्री शर्मा ने हाल ही में बांग्लादेश से हिंदुओं के आने के दावों को खारिज करते हुए कहा कि राज्य सुरक्षा बलों को पिछले पांच महीनों में किसी भी हिंदू बांग्लादेशी घुसपैठिए का पता नहीं चला है। सीएम शर्मा -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री का केजरीवाल पर तंज, कहा-

मैं भी *शीश महल* बनवा सकता था, लेकिन चार करोड़ लोगों को घर देकर उनके सपने पूरे किए

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भ्रष्टाचार को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आआपा सरकार को *आप-दा* की संज्ञा देते हुए कहा कि पिछले 10 सालों से राष्ट्रीय राजधानी आपदा से घिरी हुई है। उन्होंने दिल्लीवालों से इसे बदलने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री अशोक विहार में झुग्गी-झोपड़ी वालों के लिए बनवाए गए स्वाभिमान अपार्टमेंट में 1,675 फ्लैट की चाबी लाभार्थियों को सौंपने के बाद रामलीला मैदान में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में रिमोट का बटन दबाकर राष्ट्रीय राजधानी के निवासियों को 4500 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का तोहफा दिया। इसमें जेजे क्लस्टर के निवासियों के लिए 1,675 फ्लैट, स्कूल और कॉलेजों से जुड़े प्रोजेक्ट हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश अच्छी तरह जानता है कि मोदी ने कभी अपने लिए घर नहीं बनाया। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

प्रवासी भारतीय सम्मान के लिए 23 देशों की 27 हस्तियों का चयन

नई दिल्ली। इस साल प्रवासी भारतीय सम्मान के लिए 27 विभूतियों का चयन हुआ है। विदेश मंत्रालय ने विजेताओं के नाम की घोषणा कर दी है। विदेश में रहने वाले भारतीयों को दिए जाने वाले इस सर्वोच्च नागरिक सम्मान के लिए चुनी गई हस्तियां 23 देशों में रहती हैं। इनका शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवसाय समेत कई अन्य क्षेत्रों में -शेष पृष्ठ दो पर

कल बांग्लादेश से लौटेंगे काकद्वीप के 95 मछुआरे

कोलकाता/ढाका (हि.स.)। नए साल की शुरुआत के साथ ही पश्चिम बंगाल के मछुआरों के लिए अच्छी खबर आई है। बांग्लादेश में तीन महीने से अधिक समय से हिरासत में रखे गए काकद्वीप के 95 भारतीय मछुआरों को पांच जनवरी को रिहा किया जाएगा। इसी के साथ भारत में पकड़े गए 90 बांग्लादेशी मछुआरों को भी उनके देश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के सलाहकार -शेष पृष्ठ दो पर

असम हिंदू संगठन का दावा

मावजिंबुइन गुफा में शिवलिंग की पूजा पर कोई प्रतिबंध नहीं

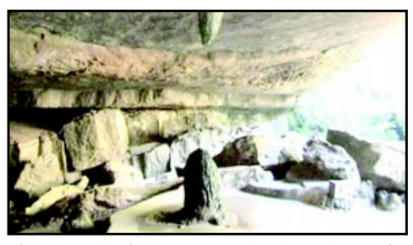

शिलांग। कुटुंबा सुरक्षा परिषद (केएसपी) के अध्यक्ष सत्य रंजन बोरा के एक बयान के अनुसार, पूर्वी खासी हिल्स के उपायुक्त कार्यालय में हुई एक हितधारक बैठक में मौसिनराम में मौजिंबुइन गुफा शिवलिंग में पूजा के लिए अप्रतिबंधित पहुंच की पुष्टि की गई है। बोरा ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि डीसी और दोरबार श्नोंग हिमा मौसिनराम के प्रतिनिधियों ने प्रतिदिन सुबह 9 बजे -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह ने माफी पर दी सफाई

इंफाल। मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने जातीय संघर्ष को लेकर माफी मांगने के बाद विपक्ष की ओर से किए गए हमलों का जवाब दिया है। सीएम एन बीरेन सिंह ने कहा कि मणिपुर संघर्ष को लेकर उनकी ओर से मांगी गई माफी पर जो लोग राजनीति कर रहे हैं, वे राज्य में अशांति फैलाना चाहते हैं, जबकि सरकार की प्राथमिकता शांति बहाल करना है। सीएम ने कहा कि अतीत बीत चुका है। अब समुदायों को साथ बैठकर संघर्ष का स्थायी समाधान खोजना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष की कोई विचारधारा नहीं है। मैंने जो कहा वह दुख और शोक की अभिव्यक्ति थी। मेरी माफी उन लोगों से थी जो पीड़ित हैं और जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मुझे आतंकियों से माफी क्यों मांगनी चाहिए? मैं निर्दोष लोगों और उन लोगों से माफी मांग रहा हूं, जो अपने घरों से विस्थापित हो गए। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ने मंगलवार को राज्य में जातीय संघर्ष के लिए माफी मांगी -शेष पृष्ठ दो पर

भारत पीछे रहने वाला देश नहीं है : मोहन भागवत

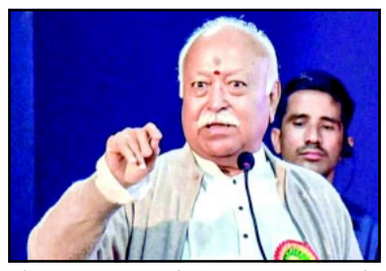

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत शुक्रवार को मध्य प्रदेश के इंदौर में आरएसएस के *घोष वादन* कार्यक्रम में शामिल हुए। दशहरा मैदान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत पीछे रहने वाला देश नहीं है। हम दुनिया की पहली पंक्ति में बैठकर बता सकते हैं कि हमारे पास क्या है। भारतीय संगीत और पारंपरिक वादन का एक साथ मिलकर चलना, अनुशासन, संस्कार और सद्भाव सिखाता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वो संघ के स्वयंसेवकों के साथ भारत के नवनिर्माण के अभियान -शेष पृष्ठ दो पर

भूमि अधिग्रहण मामले में सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

पर्याप्त मुआवजे के बिना किसी को जमीन से बेदखल नहीं कर सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि संपत्ति का अधिकार संवैधानिक अधिकार है और किसी भी व्यक्ति को कानून के अनुसार पर्याप्त मुआवजे के भुगतान किए बिना उसकी संपत्ति से बेदखल नहीं किया जा सकता। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि संविधान (44वां संशोधन) अधिनियम, 1978 के कारण संपत्ति का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं रह गया है, लेकिन कल्याणकारी राज्य में यह मानव अधिकार और संविधान के अनुच्छेद-300-ए के तहत संवैधानिक अधिकार है। यह अनुच्छेद कहता है कि कानूनी अधिकार के बिना किसी भी व्यक्ति को उसकी संपत्ति से बेदखल नहीं किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने यह फैसला बेंगलुरु-मैसुरु इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर प्रोजेक्ट के लिए भू-अधिग्रहण से जुड़े मामले में कर्नाटक हाई कोर्ट के नवंबर, 2022 के फैसले को चुनौती देने वाली अपील पर सुनाया। पीठ ने कहा कि परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहीत करने के लिए कर्नाटक -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-चीन फिर आमने-सामने, लद्दाख क्षेत्र में नई काउंटी बनाने पर बढ़ी टेंशन

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को कहा कि उसने होटन प्रांत में दो नए काउंटी बनाने पर चीन के समक्ष गंभीर विरोध दर्ज कराया है। भारत का कहना है कि इन क्षेत्रों के कुछ हिस्से भारतीय केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में आते हैं। नई दिल्ली ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नए काउंटी बनाने से न तो क्षेत्र पर अपनी संप्रभुता के संबंध में भारत की दीर्घकालिक और सुसंगत स्थिति पर कोई असर पड़ेगा और न ही चीन के अवैध और जबरन कब्जे को वैधता मिलेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने क्षेत्र में भारतीय क्षेत्र पर अवैध चीनी कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि हमने चीन के होटन प्रांत में दो नए काउंटी बनाने से संबंधित घोषणा देखी है। इन तथाकथित काउंटी के अधिकार क्षेत्र के कुछ हिस्से भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में आते हैं। उन्होंने कहा कि हमने इस क्षेत्र में भारतीय क्षेत्र पर अवैध -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

आदिवासी संगठन ने कांगपोकपी जिले में शुरू की आर्थिक नाकेबंदी

चुराचांदपुर (मणिपुर)। मणिपुर के एक आदिवासी संगठन ने कुकी-जो क्षेत्र में आर्थिक नाकेबंदी शुरू की। यह नाकेबंदी कांगपोकपी जिले के सैबोल गांव में सुरक्षा बलों की ओर से महिलाओं के खिलाफ कथित कार्रवाई के विरोध में की जा रही है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वहीं, एक अन्य संगठन आदिवासी एकता समिति (सीओटीयू) ने भी कांगपोकपी जिले में चौबीस घंटे का बंद किया है। यह बंद 31 दिसंबर को सैबोल गांव में महिलाओं पर लाठीचार्ज के विरोध में किया गया है। कुकी-जो परिषद ने बताया कि यह आर्थिक नाकेबंद दो जनवरी की मध्य रात्र से शुरू हुई और शनिवार सुबह दो बजे तक जारी रहेगी। यह नाकेबंदी आदिवासी अधिकारों और गरिमा की अनदेखी के विरोध में की जा रही है। कुकी-जो परिषद के मुताबिक, इस नाकेबंदी के दौरान कुकी-

जो क्षेत्रों से होकर गुजरने वाले वाहनों और आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही पर पाबंदी लगाई जाएगी। परिषद के अध्यक्ष हेनलियेंथांग थांगलेट ने चुराचांदपुर में कहा, अगर सुरक्षा बलों की ओर से महिलाओं पर किए गए कथित लाठीचार्ज से चोटों के लिए मुआवजा नहीं दिया जाता है, तो हम अपना विरोध और तेज करेंगे। कांगपोकपी जिले में मंगलवार को कुकी-जो महिलाओं और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हो गई थी, जिससे एक बार फिर राज्य में तनाव फैल गया। यह घटना तब हुई जब महिलाओं की भीड़ ने सेना, बीएसएफ और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम की तैनाती में बाधा डालने की कोशिश की थी। राज्य पुलिस ने *एक्स* पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी थी। थांगलेट ने कहा कि अगर सरकार कथित बफर जोन की पवित्रता को बनाए रखने में विफल रहती है, तो हम आर्थिक नाकेबंदी फिर से लागू करेंगे। बफर जोन वह क्षेत्र है, जो कुकी और मैतेई समुदायों के बीच संघर्ष से दूर रखने के लिए मध्यस्थ के रूप में काम करता है। कुकी- जो परिषद ने कांगपोकपी जिले में सीओटीयू द्वारा किए गए बंद को भी अपना समर्थन दिया है। सीओटीयू ने गुरुवार को 12 घंटे का बंद रखा था। लेकिन इस विरोध पर सरकार की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली।

कांग्रेस ने जीएसटी संग्रह में गिरावट पर चिंता जताई

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने देश की आर्थिक स्थिति को चिंताजनक बताते हुए सरकार से नए बजट में इस ओर खास ध्यान देने की जरूरत बताई है। पार्टी का कहना है देश के आर्थिक ग्रोथ और जीएसटी संग्रह में गिरावट गंभीर चिंता का विषय है। कांग्रेस के महासचिव (संचार) एवं सांसद जयराम रमेश ने आज यहां एक वक्तव्य में कहा कि देश में आर्थिक मोर्चे पर निराशाजनक स्थिति है। आर्थिक ग्रोथ में गिरावट से लेकर जीएसटी राजस्व संग्रह तक खराब हालत में है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि यह वक्त की मांग है कि सरकारी तंत्र अपना ध्यान पॉपकॉर्न पर टैक्स लगाने से हटाकर अर्थव्यवस्था की जटिलताओं से निपटने पर केंद्रित करे। लगभग एक महीने बाद पेश होने वाले केंद्रीय बजट में देश के गरीबों को आय सहायता और मध्यम वर्ग के लिए कर राहत प्रदान की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2024 के ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले महीने जीएसटी संग्रह साढ़े तीन साल में दूसरी बार सबसे धीमी गति से बढ़ा है। रिफंड के समायोजन के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह घटकर 3.3 प्रतिशत रह गया है, जो चालू वित्त वर्ष में सबसे कम है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, मौजूदा वित्तीय वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में सरकार ने जीएसटी संग्रह में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है जबकि बजट अनुमान में 11 प्रतिशत की वृद्धि की बात थी। राजस्व संग्रह में यह गिरावट सरकार के लिए मनरेगा जैसे सामाजिक कल्याण के कार्यक्रमों में और कटौती करने की वजह नहीं हो सकती है, वो भी ऐसे समय में जब ग्रामीण मजदूरी स्थिर रही है और खपत में कमी आई है। इसके बजाय सरकारी व्यय को अर्थव्यवस्था के लिए प्रोत्साहन के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए। जयराम रमेश ने कहा कि पिछले महीने के शुद्ध संग्रह में इस नरमी के एक हिस्से के रूप में करदाताओं को रिफंड में 45.3 प्रतिशत की वृद्धि के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। कुछ हद तक यह सही भी है लेकिन इन रिफंड्स का एक महत्वपूर्ण भाग धोखाधड़ी से भरे होने की आशंका है। जीएसटी प्रणाली की जटिलता के कारण विशेष रूप से खामियों से भरे सॉफ्टवेयर सिस्टम के साथ मिल जाने पर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की गुंजाइश होती है। इनपुट टैक्स क्रेडिट धोखाधड़ी विशेष रूप से आम बात है, केवल 12 प्रतिशत की वसूली दर के बीच 35,132 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी की पहचान की गई है। आपूर्ति श्रृंखला के कमजोर ट्रैकिंग सिस्टम का मतलब है कि ख़रीदार आपूर्ति प्राप्त किए बिना इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा कर सकते हैं और अक्सर धोखाधड़ी वाले रिफंड को लेने के लिए झूठे चालान का उपयोग करते हैं या टर्नओवर को बढ़ाते हैं।

असम में कई क्षेत्रों में भूकंप के हल्के झटके

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के कई इलाकों में शुक्रवार सुबह लगभग 10:04 बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। इस घटना में अब तक किसी स्थान से किसी प्रकार के जान-माल की नुकसान की सूचना प्राप्त नहीं हुई है। गुवाहाटी सहित राज्य के विभिन्न स्थानों पर यह झटका महसूस हुआ। भूकंप का एपीक सेंटर म्यांमार में बताया गया है।

गौरीपुर में ट्रेन की चपेट में आकर महिला की मौत

धुबड़ी (हिंस)। गौरीपुर के गेरामारी क्षेत्र में गुरुवार को ट्रेन की चपेट में आकर एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान डांगीरचर निवासी शनजाब अली की पत्नी 55 वर्षीय अम्बिया बीबी के रूप में हुई है। शिलिगुड़ी से गुवाहाटी आ रही मालगाड़ी की चपेट में आने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। गौरीपुर पुलिस और रेलवे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए धुबड़ी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

सोनतली में शव बरामद

कामरूप (हिंस)। नए साल की खुशी के बीच दक्षिण कामरूप के सोनतली में एक चौंकाने वाली घटना घटी। सोनतली के पानीखाइटी में ब्रह्मपुत्र नद के किनारे गले में रस्सी लगे और पैर बंधे हुए युवक का शव शुक्रवार सुबह बरामद हुआ। अनुमान है कि किसी ने उसकी हत्या कर नदी में शव को फेंक दिया होगा। अभी तक युवक की पहचान नहीं हो पाई है।

बंगाल में सदस्यता अभियान का टारगेट पूरा नहीं कर पाई भाजपा

भाजपा ने एक तरफ जहां समूचे देश में प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति के लिए चुनाव अधिकारियों की घोषणा कर दी है वहीं दूसरी तरफ बंगाल भाजपा ने सदस्यता के लिए दिए गए लक्ष्य को पूरा नहीं किया है। बंगाल भाजपा को एक करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया था लेकिन अब तक 35 लाख सदस्य ही बना पाए हैं। वैसे तो देश के अन्य राज्यों में भाजपा सदस्यता अभियान 30 दिसंबर को खत्म कर दिया गया है लेकिन भाजपा ने बंगाल यूनिट को हफ्तेभर का समय और बढ़ा दिया है। अब बंगाल भाजपा को 8/9 जनवरी तक अपना टारगेट पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। बंगाल इकाई की निष्क्रियता से हाईकमान नाखुश है। मिली जानकारी के मुताबिक अगले साल 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने 1 करोड़ सदस्यता अभियान बढ़ाने का लक्ष्य दिया है। गृहमंत्री अमित शाह ने गत 28 अक्तूबर को कोलकाता में बैठक कर पार्टी को 1 करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया था, लेकिन पार्टी ने 29 दिसंबर तक सिर्फ 35 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य हासिल किया। पार्टी विषय की जानकारी रखने वालों का कहना है कि 35 लाख में से लगभग आधे पुराने सदस्यों ने दोबारा मेंबरशिप लिया है। इसके बाद अब भाजपा ने मेंबरशिप ड्राइव चलाने की मियाद बढ़ाकर यहां 9 जनवरी तक कर दिया है। दरअसल 2019 में भाजपा के 14 लाख सदस्य बने थे।

No: TDB/15th FC/106/2024-25/1451 *Date:02/01/2025*

NOTICE INVITING TENDER

NO- 15/2024-25

Sealed tenders with a validity period of 90 days from the date of receipt in prescribed form affixing non-refundable court fee stamps of Rs. 8.25/- (Rupees Eight and Twenty Five Paisa) only subsequently to be drawn up in printed F-2 form are hereby invited from the Govt, registered PWD (Roads and Building), P&RD and other Govt, registered contractor's under Class - I (A/B/C) Class - II and Class - III category from approved firm according to tender limit of eligibility for the following works under **15th ASFC during the financial year 2024-25** and will be received in the office of the undersigned up to 2:00 PM on 24/01/2025 and will be opened on the same date and placed at 2:15 PM in the presence of willing contractors or their authorized agents.

Sl. No.	Name of Dev. Block	Name of work	A/A No.	A/A Amount in Rs.	Tender Amount in Rs.	Earnest Money	Completion period
1	Tamulpur Dev. Block	Construction of community toilet at Darangamela Pagla Baba Mandir under 15th FC (Tied Grant) for the year 2023-24 during 2024-25	BTC/FC-Cell(15th FC-T)-179/2024/Pt-1/180, Dated:25/10/2024	10,47,960/-	10,47,960/-	2% in case of Gen. and 1% in case of ST/SC	90 Days

Details NIT may be seen in all working days in the office of the undersigned. Tender paper will be issued to the contractors or their authorized agent up to 12:00 Noon on all working days from 02/01/2025 to 24/01/2025 in the office of undersigned on payment of in the form of Banker Cheque/Demand Draft of any Nationalized Bank duly Pledged to the Block Development Officer, Tamulpur Development Block. The tender cost (Non-Refundable) must be in the form of Banker Cheque/Demand Draft of a Nationalized Bank drawn in favour of the Principal Secretary, BTC, Kokrajhar and payable at SBI, Kokrajhar to be deposited 0.03%.

Sd/-Block Development Officer,
Tamulpur Development Block,
Tamulpur

IPR(BTC)/C/2024-25/1240

पृष्ठ एक का शेष

नॉर्थ ईस्ट देश...

होगी। इसके लिए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। हमें कुशल जनशक्ति की आवश्यकता है। भारत अब सेमी-कंडक्टर पावरहाउस बनने जा रहा है। असम के लमडिंग तक रेलवे का डबल ट्रैक हो चुका है और आगे काम शुरू हो गया है। जागीरोड स्थित नाइलिट विश्वविद्यालय नया प्रकाश बिखेरेगा, जहां पर इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई, सूचना प्रौद्योगिकी की शिक्षा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले आंदोलन करने पड़ते थे, लेकिन प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के लिए किसी आंदोलन की जरूरत नहीं हुई। किसी भी दल और संगठन ने ज्ञापन नहीं सौंपा। हालांकि, प्रधानमंत्री ने इसके बारे में पहले ही सोच लिया। अब यह हमारे हाथ में है। अब हमें आसमान छूने का मन बनाना होगा। इस कार्यक्रम को राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य एवं केंद्रीय राज्य मंत्री पबित्र मार्घेरिटा ने भी संबोधित किया। इस कार्यक्रम में असम सरकार के मंत्री डॉ. रनोज पेगु, अशोक सिंघल, जोगेन महन, गुवाहाटी की लोकसभा सांसद बिजली कलिता मेधी, दिलीप सैकिया, राज्यसभा सांसद रामेश्वर तेली, विधायक परमानंद राजवंशी, रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आम लोग मौजूद थे। उल्लेखनीय कि नाइलिट का मेन कैंपस रोपड़ में है। इसके अलावा औरंगाबाद, कालीकट, गोरखपुर, अजमेर, पटना, कोहिमा, इटानगर, आइजोल, श्रीनगर, इंफाल, अगरतला में नाइलिट की औपचारिक रूप से शुरूआत हो रही है।

प्रौद्योगिकी 2047 के ...

जनशक्ति की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला, जिस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जोर दिया है। प्रधानमंत्री और रेल मंत्री के साथ अपनी बातचीत को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर निर्माण में एक केंद्र बनने जा रहा है। आगे चलकर, भारत में क्वांटम फिजिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑगमेंटेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी के इर्द-गिर्द बहुत काम होगा; जिसके लिए हमें देश के युवाओं को तैयार करने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार न केवल भारत बल्कि दुनिया को उद्योग 4.0 के लिए कुशल जनशक्ति प्रदान करने के लिए काम करेगी। नाइलिट विश्वविद्यालय के बारे में बोलते हुए शर्मा ने कहा कि नाइलिट एक डीम्ड विश्वविद्यालय बनेगा जिसे पहले 12 स्टेशनों पर बनाया जाएगा, जिसके बाद इसे देश के अन्य स्थानों पर विस्तारित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और मैंने चुनावों के बाद इस बारे में बात की थी, लेकिन मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि जनवरी 2025 में, छह महीने के भीतर, इस दिशा (नाइलिट) पर काम शुरू हो जाएगा।

सरकारी लाभार्थी योजनाओं ...

ने कहा कि बांग्लादेश में अशांति के बाद हमने घुसपैठ रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा है। पुलिस ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर रोजाना बड़ी संख्या में अवैध प्रवासियों का पता लगाया है; हालांकि, पिछले पांच महीनों में बांग्लादेश से कोई हिंदू घुसपैठिया गिरफ्तार नहीं किया गया। उन्होंने आगे कहा कि हिंदू समुदाय के ज्यादातर लोग, जो सीमा पार करके भारत आने की इच्छा रखते थे, 30 या 40 साल पहले यहां आए थे। बाकी अल्पसंख्यक लोग पड़ोसी देश में बड़े पैमाने पर अत्याचारों का सामना करने के बावजूद बांग्लादेश में रह रहे हैं। मुझे लगता है कि उनके वहां रहने के अपने कारण हैं - शायद अपनी मिट्टी के प्रति प्रेम या बांग्लादेश के प्रति देशभक्ति।

मैं भी शीश महल बनवा ...

मैं भी अपने लिए शीश महल बनवा सकता था, लेकिन पिछले 10 सालों में मैंने 4 करोड़ से ज्यादा लोगों को घर देकर उनके सपने पूरे किए हैं। प्रधानमंत्री ने झुग्गी के बदले फ्लैट पाने वालों से अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि स्वाभिमान अपार्टमेंट गरीबों के स्वाभिमान को बढ़ाने वाला है। उनका कहा कि झुग्गी के बदले फ्लैट पाने वाले भले ही दिल्ली के अलग-अलग स्थानों के हैं लेकिन वे सभी मोदी का परिवार हैं। आआपा प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अन्ना हजारे को आगे रखकर कुछ *कट्टर बेईमान* लोगों ने राष्ट्रीय राजधानी को *आपदा* की ओर धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली पर एक आप-दा की तरह आई है। ये लोग खुलेआम भ्रष्टाचार करते हैं और इसका जश्न भी मनाते हैं। ये और कुछ नहीं कि चोरी, ऊपर से सीनाजोरी है। दिल्ली पर आपदा का संकट आ गया है। इसलिए दिल्ली के लोगों ने इस आपदा के खिलाफ जंग छेड़ दी है। दिल्ली एक सुर में कह रही है कि आपदा को नहीं सहेंगे, बदल कर रहेंगे। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप-दा से घिरी है। अन्ना हजारे को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आप-दा में धकेल दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली के मतदाताओं ने दिल्ली को इस आपदा से मुक्त करने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि शराब के ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, भर्तियों के नाम पर घोटाला ये लोग दिल्ली के विकास की बात करते थे, लेकिन ये लोग आप-दा बनकर दिल्ली पर टूट पड़े हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली वालों ने आप-दा के विरुद्ध जंग छेड़ दी है। दिल्ली का वोटर, दिल्ली को आप-दा से मुक्त करने की ठान चुका है। वो कह रहा है- आप-दा को नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बन चुका है। 2025 में भारत की ये भूमिका और भी मजबूत होगी। ये साल दुनिया में भारत की स्थिति को और मजबूत करने का साल होगा। ये साल भारत को दुनिया के सबसे बड़े मैन्यूफैक्चरिंग सेंटर में से एक बनाने का साल होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अशोक विहार आने से उनकी पुरानी यादें ताजा हो गईं। इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार और आपातकाल के खिलाफ संघर्ष के दौरान जब देश उथल-पुथल भरे दौर से गुजर रहा था, तब मैं और मेरे कई साथी भूमिगत आंदोलन का हिस्सा थे। उस दौरान अशोक विहार मेरा निवास स्थान था। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश एकजुट होकर विकसित भारत के निर्माण के लिए काम कर रहा है। हमारा संकल्प है कि हर नागरिक के पास पक्का मकान हो और हम इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने में दिल्ली की अहम भूमिका है, यही वजह है कि भाजपा की केंद्र सरकार ने झुग्गियों की जगह पक्के मकान बनाने की पहल शुरू की है। यमुना की सफाई को लेकर भी प्रधानमंत्री ने केजरीवाल सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यमुना की सफाई नहीं होने के कारण दिल्लीवालों को गंदा पानी मिल रहा है। जनता को टैंकर माफिया के हवाले कर दिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह दिल्ली वालों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली *आयुष्मान भारत* योजना का लाभ देना चाहते हैं। आप-दा सरकार को दिल्ली वालों से बड़ी दुश्मनी है। पूरे देश में आयुष्मान योजना लागू है, लेकिन इस योजना को आप-दा वाले यहां (दिल्ली) लागू नहीं होने दे रहे। इसका नुकसान दिल्ली वालों को उठाना पड़ रहा है।

मावजिंबुइन गुफा में ...

से शाम 5 बजे तक मिलने का समय निर्धारित किया है, तथा श्रावण के दौरान विशेष व्यवस्था करने की योजना बनाई है। आधिकारिक बयान में जोर दिया गया कि मावजिंबुइन गुफा में शिवलिंग की पूजा करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। विज्ञप्ति में कहा गया कि पर्यावरण सुरक्षा उपाय लागू रहेंगे, गुफा परिसर में धुआं पैदा करने वाली वस्तुओं पर प्रतिबंध रहेगा, यह एक शर्त है जिस पर बैठक में केएसपी के 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सहित सभी हितधारकों ने सहमति जताई। बोरा ने सेंग खासी हिमा मौसिनराम और मेघालय स्वदेशी अल्पसंख्यक जनजातीय फोरम की अपील के बाद अपनी भागीदारी के बारे में बताते हुए कहा कि हम देश में राष्ट्रीय अखंडता और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। बोरा ने बयान में कहा कि हम बैठक आयोजित करने के लिए मेघालय सरकार और पूर्वी खासी हिल्स जिला प्रशासन के आभारी हैं और विवाद को सुलझाने की उनकी मंशा व्यक्त करते हैं। हितधारक बैठक में भाग लेने के अलावा, केएसपी ने डिप्टी कमिश्नर के कार्यालय के माध्यम से मुख्यमंत्री कॉनराड के सांग्मा को एक औपचारिक पत्र प्रस्तुत किया है। पत्र में केएसपी की भागीदारी का विवरण दिया गया है और गुफा के प्रबंधन के लिए विस्तृत सुझाव दिए गए हैं। पत्र में बोरा ने केएसपी के संवैधानिक जनादेश पर जोर देते हुए कहा कि भारत का गौरवशाली नागरिक होने के नाते, देश में कहीं भी अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा करना हमारा मौलिक कर्तव्य है। पूजा का अधिकार, जीने का अधिकार, अभिव्यक्ति का अधिकार (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता), आवागमन का अधिकार आदि हमारे संवैधानिक मौलिक अधिकारों में आते हैं। पत्र का समापन मेघालय की स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत को कायम रखने की प्रतिबद्धता के साथ होता है कि हम वास्तव में इसकी सुंदरता से प्रेम करते हैं तथा मेघालय की सदियों पुरानी स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व महसूस करते हैं।

मणिपुर के सीएम ...

थी, जिसमें 250 से अधिक लोगों की जान चली गई और हजारों लोग बेघर हो गए। उन्होंने सभी समुदायों से पुरानी गलतियों को भूलने और माफ करने तथा नए सिरे से शुरुआत करने की अपील की थी। मणिपुर के काकचिंग जिले से प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) के 42 वर्षीय एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान मायेंगबाम मोमोचा मेइती के रूप में की गई है और उसे गुरुवार को बिजायपुर मथक लेईकाई इलाके से गिरफ्तार किया गया है। यह उग्रवादी संगठन जबरन वसूली और कई व्यक्तियों के घरों पर ग्रेनेड रखने के मामलों में संलिप्त पाया गया है। वहीं, सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को चूड़ाचांदपुर जिले के सैबोह गांव के वन क्षेत्र में एक अभियान के दौरान छह हथियार और गोला-बारूद बरामद किए।

मैं भी शीश महल बनवा...

में शामिल हों। मोहन भागवत ने कहा कि जो कार्यकम आपने देखा, इतनी सारी रचनाएं बजाने वाले सभी संगीत साधक नहीं हैं। सभी अपना-अपना समय निकालकर प्रस्तुति दी है। इतना परिश्रम करके इतना अच्छा वादन कर सकते हैं। कार्यकर्ताओं ने देख-देखकर सीखा। पहले मिलिट्री और पुलिस ही थी, जो वादन करती थी। उनकी धुन सुनकर स्वर लेकर आना, एक धुन लाने में दस-दस दिन लगते थे। उन्होंने कहा, संघ के पास धन नहीं था। कहीं भोजन में गई दक्षिणा मिल जाती थी। स्वयंसेवकों को समझ आया कि संगीत विदेशों से लेना पड़ता है। संगीत तो सभी के लिए है। संचलन और व्यायाम के लिए भारतीय तालों के आधार पर वादन शुरू हो गया। इसकी एक प्रेरणा है देशभक्ति। जो दुनिया में सभी के पास है, वो हमारे पास ना हो, ऐसा नहीं होना चाहिए। संघ प्रमुख ने कहा कि हम दंड सीखते हैं, वो प्रदर्शन के लिए नहीं सीखते। न ही झगड़े के लिए सीखते हैं। लाठी चलाने वालों को वीरगति प्राप्त होती है क्योंकि वो डरता नहीं। सभी में एक होने के लिए व्यक्ति अपने आप को संयमित करता है और सभी के साथ चलता है। सामने एक प्रमुख है, उसके हाथ में एक डंडा है, सब कुछ एक अनुशासन में है। भारतीय संगीत का आधार है सुर और ताल का मिलन। रंजक नादों को स्वर कहते हैं। संगीत समन्वय सिखाता है। संगीत एक साथ चलना सिखाता है।

पर्याप्त मुआवजे के ...

औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआइएडीबी) ने जनवरी, 2003 में एक प्रारंभिक अधिसूचना जारी की थी और नवंबर, 2005 में अपीलकर्ताओं की जमीन पर कब्जा कर लिया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि अपीलकर्ता भू-स्वामियों को पिछले 22 वर्षों के दौरान कई बार अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ा और उन्हें बिना कोई मुआवजा दिए उनकी संपत्ति से बेदखल कर दिया गया। मुआवजा पाने के लिए अपीलकर्ताओं की ओर से कोई देरी नहीं हुई, बल्कि राज्य अथवा केआइएडीबी अधिकारियों के सुस्त रवैये के वजह से अपीलकर्ताओं को मुआवजा नहीं मिला। पीठ ने कहा कि अवमानना कार्यवाही में नोटिस जारी होने के बाद ही 22 अप्रैल, 2019 को विशेष भू-अधिग्रहण अधिकारी (एसएलएओ) ने अधिग्रहीत भूमि का बाजार मूल्य निर्धारित करने के लिए 2011 में प्रचलित दिशानिर्देश मूल्यों को आधार बनाया और मुआवजे का निर्धारण किया। पीठ ने कहा कि अगर 2003 के बाजार मूल्य पर मुआवजा प्रदान करने की अनुमति दी गई तो यह न्याय का मजाक बनाने और अनुच्छेद-300-ए के प्रविधानों का माखौल उड़ाने जैसा होगा। सुप्रीम कोर्ट के लिए संविधान के अनुच्छेद-142 के तहत अपनी शक्तियों के इस्तेमाल का यह उचित मामला है और यह अदालत एसएलएओ को 22 अप्रैल, 2019 को प्रचलित बाजार मूल्य के आधार पर अपीलकर्ताओं के लिए मुआवजे का निर्धारण करने का निर्देश देती है। शीर्ष अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि एसएलएओ पक्षकारों को सुनने के बाद दो महीने के भीतर नए सिरे से मुआवजे की घोषणा करेंगे। इस घोषणा से पीड़ित पक्षकारों को उसे चुनौती देने का अधिकार होगा।

भारत-चीन फिर...

चीनी कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। जायसवाल ने कहा कि नए देशों के निर्माण से न तो इस क्षेत्र पर हमारी संप्रभुता के बारे में भारत की दीर्घकालिक और सुसंगत स्थिति पर कोई असर पड़ेगा और न ही चीन के अवैध और जबरन कब्जे को वैधता मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि हमने कूटनीतिक चैनलों के माध्यम से चीनी पक्ष के समक्ष गंभीर विरोध दर्ज कराया है। इसके अलावा भारत ने चीन की ओर से ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बनाए जाने के फैसले पर भी चिंता जताई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस संबंध में शुक्रवार को कहा कि नई दिल्ली ने तिब्बत में यारलुंग जांगबो नदी पर पनबिजली बांध बनाने की चीन की योजना के बारे में बीजिंग को अपनी चिंताएं बताई हैं। गौरतलब है कि यह नदी भारत में भी बहती है। हालांकि, इस पर चीनी अधिकारियों का कहना है कि तिब्बत में पनबिजली परियोजनाओं से पर्यावरण या नीचे की ओर पानी की आपूर्ति पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा, लेकिन भारत और बांग्लादेश ने बांध को लेकर अपनी चिंताएं जताई हैं। बता दें कि यारलुंग जांगबो तिब्बत से निकलकर भारत के अरुणाचल प्रदेश और असम राज्यों में बहती हुई ब्रह्मपुत्र नदी बन जाती है और अंत में बांग्लादेश में मिल जाती है। ब्रह्मपुत्र पर विशाल बांध बनाने की चीन की योजना पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम अपने हितों की रक्षा के लिए निगरानी जारी रखेंगे और आवश्यक कदम उठाएंगे। मंत्रालय ने कहा कि चीनी पक्ष से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया कि ब्रह्मपुत्र के निचले इलाकों के राज्यों के हितों को नुकसान न पहुंचे। बता दें कि चीन ने हाल ही में ब्रह्मपुत्र पर बांध को बनाने का एलान किया है। ये बांध तिब्बत में यारलुंग जंग्बो के निचले हिस्से में बनाया जाना है। हिमालयी क्षेत्र में जहां ब्रह्मपुत्र नदी अरुणाचल में प्रवेश करती है, वहां एक बड़ा और शार्प यू-टर्न लेती है। इसी जगह पर एक विशाल घाटी मौजूद है। बांध का निर्माण यहीं किया जाना है। इसके निर्माण में 137 बिलियन डॉलर खर्च होने की उम्मीद है। चीन में पहले से ही श्री गोरजेस बांध मौजूद है, जो वर्तमान में दुनिया में सबसे बड़ा है, लेकिन अगर ब्रह्मपुत्र पर बनने वाला बांध चीन के प्लान मुताबिक तैयार हो गया तो यह श्री गोरजेस से भी बड़ा होगा। इसका मतलब ये हुआ कि दुनिया का सबसे बड़ा बांध चीन फिर से बनाने वाला है। वहीं, विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश की यूनूस सरकार की ओर से वहां की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के मामले में कहा है कि इस समय इस मुद्दे पर कहने के लिए कुछ भी नहीं है। इससे जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि एक सप्ताह पहले मैंने पुष्टि की थी कि हमें पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के संबंध में बांग्लादेश के अधिकारियों से एक पत्र प्राप्त हुआ है। इसके अलावा, इस समय मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है।

प्रवासी भारतीय सम्मान...

भी उल्लेखनीय योगदान है। विजेताओं में ब्रिटेन से बैरोनेस उषा कुमारी पराशर (राजनीति के क्षेत्र में), अमेरिका से डॉ. शर्मिला फोर्ड सामुदायिक सेवा के लिए जैसी हस्तियों के नाम शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि विजेताओं को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आगामी प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के समापन सत्र के दौरान सम्मानित करेंगी।

कल बांग्लादेश से ...

एम तौहीद हुसैन ने ढाका में एक कार्यक्रम के दौरान इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच बंदी विनिमय प्रक्रिया के तहत पांच जनवरी को बंगाल की खाड़ी में अंतर्राष्ट्रीय जलसीमा पर मछुआरों का आदान-प्रदान किया जाएगा। कैसे पकड़े गए थे भारतीय और बांग्लादेशी मछुआरे जानकारी के मुताबिक सितंबर और अक्तूबर में भारत के छह ट्रॉलर गलती से बांग्लादेश की जलसीमा में घुस गए थे, जिसके बाद 95 भारतीय मछुआरों को पकड़ा गया था। उन्हें पटुयाखाली और बागेरहाट की जेलों में रखा गया था। दूसरी ओर नौ दिसंबर को बांग्लादेश के दो फिशिंग ट्रॉलर *एमवी मेघना* और *एमवी लैला* भारतीय जलसीमा में घुस गए थे, जिनमें 78 मछुआरे सवार थे। इसके अलावा, बंगाल की खाड़ी में आए तूफान के कारण डूबे एक बांग्लादेशी ट्रॉलर से 12 और मछुआरों को बचाकर भारत में हिरासत में ले लिया गया था। तीन महीने की कैद के बाद घर वापसी का रास्ता साफ-बांग्लादेशी जलसीमा में गैरकानूनी रूप से मछली पकड़ने के आरोप में पकड़े गए 64 भारतीय मछुआरों को पहले ही रिहा कर दिया गया था और अब बाकी 95 मछुआरों को भी छोड़ने का निर्णय लिया गया है। बागेरहाट जेल के अधीक्षक शंकर कुमार मजूमदार ने बताया कि बांग्लादेश के गृह मंत्रालय और अदालत की मंजूरी के बाद भारतीय मछुआरों को भारतीय दूतावास के अधिकारियों को सौंपा जाएगा। भारत और बांग्लादेश के बीच तालमेल से बनी सहमति-बांग्लादेश की जेलों में बंद भारतीय मछुआरों की रिहाई के बदले भारत ने भी अपने कब्जे में रखे 90 बांग्लादेशी मछुआरों को मुक्त करने का निर्णय लिया है। भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। भारत और बांग्लादेश की समुद्री सीमा से जुड़े इलाकों में अक्सर मछुआरों की नावें गलती से दूसरी देश की सीमा में चली जाती हैं।

राज्य सभी विश्वविद्यालयों में एकसमान शैक्षणिक कैलेंडर लागू करने का अभाविप का प्रस्ताव

गुवाहाटी (हिंस)। असम में सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में एकसमान शैक्षणिक कैलेंडर लागू करने की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) असम प्रदेश ने राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की। परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को यह प्रस्ताव सौंपते हुए इसे शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जरूरी बताया। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष रीतमणि बैश्य, राज्य सचिव हेरोल्ड मोहन, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य मानस प्रतीम कलिता, संगठन सचिव अनुप कुमार और अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। अभाविप ने बताया कि असम के गौहाटी विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, कॉटन विश्वविद्यालय, असम विश्वविद्यालय और बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में अलग-अलग शैक्षणिक कैलेंडर होने से छात्रों को कई दिक्कतें होती हैं। परीक्षा परिणामों में देरी होने से वे अन्य राज्यों और देशों के विश्वविद्यालयों में प्रवेश और रोजगार के अवसरों से वंचित रह जाते हैं। अभाविप ने राज्यपाल से

अपील की कि वे शिक्षा मंत्री, शिक्षा आयुक्त और शिक्षाविदों की उपस्थिति में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन करें। यह समिति पूरे राज्य में एकसमान शैक्षणिक कैलेंडर तैयार कर लागू करने का कार्य करेगी, ताकि असम के सभी छात्रों के लिए बेहतर शैक्षणिक अवसर सुनिश्चित हो सकें।

जल बोर्ड ने प्रभावित परिवारों के लिए मंजूर किए 4.8 लाख रुपए

गुवाहाटी (हिंस)। खारघुली में पाइपलाइन फटने से प्रभावित चार परिवारों को गुवाहाटी मेट्रोपॉलिटन ड्रिंकिंग वॉटर एंड सीवरेज बोर्ड ने 4.80 लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की है। प्रत्येक परिवार को संपत्ति के नुकसान के लिए 1.20 लाख रुपए मिलेंगे। मुआवजे का आदेश बोर्ड के प्रबंध निदेशक पल्लव गोपाल झा द्वारा जारी किया गया है। अनवर हुसैन, अबू फतेह अहमद, मौमिन शेख और बिनिता दास को इस योजना का लाभ मिलेगा। भुगतान जेआईसीए-सहायता प्राप्त ग्रेटर गुवाहाटी वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट (जीडब्ल्यूएसपी) के तहत किया जाएगा। यह घटना गुरुवार को खारघुली वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट पर सर्ज प्रोटेक्शन टैंक की स्थापना के दौरान बिजली कटौती के कारण दबाव में वृद्धि से हुई। गुवाहाटी मेट्रोपॉलिटन ड्रिंकिंग वॉटर एंड सीवरेज बोर्ड अधिनियम, 2009 की धारा 80 के तहत मुआवजे को मंजूरी दी गई है।

जागीरोड में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया भूमि पूजन

मोरीगांव (हिंस)। जागीरोड में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट स्थल पर आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। राज्य सरकार यहां 121 करोड़ रुपए की लागत से जलापूर्ति योजना का निर्माण करेगी। गुवाहाटी से रेल मार्ग के जरिए पहुंचे मंत्री वैष्णव ने भूमि पूजन के बाद प्रोजेक्ट स्थल का निरीक्षण किया और कार्य प्रगति का जायजा लिया। उनके जागीरोड रेलवे स्टेशन पहुंचने पर राज्य के कैबिनेट मंत्रियों पीयूष हजारिका, विमल बोरा और जयंत मल्लबरुवा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

गैंडे के हमले में काजीरंगा में एक व्यक्ति की मौत

गोलाघाट (हिंस)। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में गैंडे के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। बताया गया है कि हमले में व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां पर उसकी मृत्यु हो गई। कंहरा अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार सुबह कृषि कार्य करते समय गैंडे ने अचानक व्यक्ति पर हमला किया। यह घटना 2 नंबर कंहरा के महपारा में हुई। मृतक की पहचान अमराम गनक (30) के रूप में की गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। साथ ही इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।

श्रीभूमि में सड़क हादसे में बच्ची की मौत

श्रीभूमि (हिंस)। श्रीभूमि शहर के कनीशाइल इलाके में हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना में सात वर्षीय बच्ची की मौत हो गई, जबकि छह वर्षीय उसकी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। जिला सदर पुलिस ने शुक्रवार को बताया है कि जानकारी के अनुसार, एक मिनी ट्रक (एएस-24-3687) ने हुमायरा सिद्दिकी नामक बच्ची को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसकी बहन हाफसा सिद्दिकी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दुर्घटना साइड बैरिकेड्स न होने के कारण हुई। घटना के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया। आक्रोशित स्थानीय लोगों ने पुलिस और वाहनों के खिलाफ प्रदर्शन किया।

रूपहीहाट में ड्रग्स के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। रूपहीहाट पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ अभियान चलाकर आज एक तस्कर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने साबुन के डिब्बे में छिपाए गए ड्रग्स के साथ आरोपित अब्दुल रज्जाक को सईदरिया इलाके में गिरफ्तार किया। अभियान के दौरान पता चला कि आरोपी शोणितपुर के गरुबांधा से रूपहीहाट में ड्रग्स की सप्लाई करने आया था। पुलिस ने उसके पास से 8.22 ग्राम हेरोइन बरामद की है। मामले में और जानकारी जुटाने के लिए पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

दरंग में जलमित्रों ने किया कार्य बहिष्कार

दरंग (हिंस)। शुक्रवार से दरंग जिले के निवासी पानी की आपूर्ति से वंचित रहेंगे। जलमित्रों द्वारा कार्य बहिष्कार के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। आज से अनिश्चितकालीन अवधि के लिए जलजीवन योजना के तहत कार्यरत जलमित्रों ने पानी देने से इंकार कर दिया है। जलमित्रों ने लंबे समय से जारी अपनी मांगों को लेकर यह कार्य बहिष्कार कार्यक्रम आयोजित किया है। जलमित्रों ने सरकार से स्थायी कर्मचारी के रूप में जनस्वास्थ्य तकनीकी विभाग में नियुक्ति देने, मानक के अनुसार मजदूरी प्रदान करने और अन्य विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया है।

जिला आयुक्त ने किया खारघुली घटनास्थल का दौरा

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के खारघुली में हुई पानी पाइप फटने की घटना के बाद जिला आयुक्त सुमित सत्तावने ने शुक्रवार को घटना स्थल का दौरा किया। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को पानी का पाइप फटने के कारण तबाही मच गई थी। आयुक्त ने प्रभावित लोगों से बातचीत की और उनकी स्थिति का जायजा लिया। आयुक्त को प्रभावित लोगों ने पर्याप्त गर्म कपड़े न मिलने की शिकायत की। इस पर आयुक्त ने और अधिक गर्म कपड़े और अन्य सामग्री प्रदान करने का पीड़ितों को आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा जल्द ही अतिरिक्त वस्त्रों की आपूर्ति की जाएगी। इस दौरान पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल पर आयुक्त सत्तावन ने कहा कि आपदा प्रबंधन से संबंधित प्रावधानों के अनुकूल पीड़ितों को जिला प्रशासन द्वारा सहायता की गई है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन

के पदाधिकारी राहत और बचाव कार्य में लगातार जुटे हुए हैं। उल्लेखनीय है कि पानी पाइप लाइन में हुए इस विस्फोट के कारण सात घर और पांच दुकानों को भारी नुकसान पहुंचा। घटना में 14 ई-रिक्शा, दो बाइकें और दो ऑटो भी क्षतिग्रस्त हो गए। इसके अलावा, घरों के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी काफी नुकसान हुआ। पाइप फटने वाले स्थान के करीब 300 मीटर की गोलाई में स्थित घरों और दुकानें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। बिजली आपूर्ति भी पूरी तरह से बाधित हुई, जिसे बहाल किया जा रहा है। क्षेत्रीय यातायात में अवरोध उत्पन्न हुआ, क्योंकि खारघुली से नूनमाटी को जोड़ने वाली सड़क जलमग्न हो गई। 8-10 मीटर लंबा गड्ढा भी निर्माणाधीन सड़क पर बन चुका था। जिसे ठीक किया जा रहा है। घटनास्थल पर प्रशासन राहत और बचाव कार्यों में जुटा हुआ है। उल्लेखनीय है कि गुरुवार की सुबह करीब 9:50 बजे जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) की मुख्य जल आपूर्ति पाइपलाइन फटने से सड़कें घुटने तक पानी में डूब गईं थी। चश्मदीदों ने बताया कि पानी की धारा छह मंजिला इमारत जितनी ऊंचाई तक पहुंची थी। हर तरफ अफरा तफरी मच गई थी। स्थानीय लोग इसको लेकर काफी आक्रोश में देखे जा रहे हैं। पाइप फटने की घटना होने की सूचना मिलने के बावजूद 40 मिनट तक पानी को बंद नहीं किया गया, जिस कारण पूरे इलाके में तबाही मच गई। उल्लेखनीय है कि राज्य के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण आदि मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने गुरुवार की शाम घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा एक दिन में मुआवजा देने की घोषणा की थी। प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य किया जा रहा है।

जंगली भैंस के हमले में महिला की मौत

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के चांगसारी इलाके में जंगली भैंस द्वारा किए गए हमले में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वन विभाग ने शुक्रवार को बताया कि जंगली भैंस के हमले में चांगसारी इलाके में किराए के मकान में रहने वाली लखेश्वरी मुरारी नामक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मृत महिला कामरूप (मेट्रो) जिले के सोनापुर की रहने वाली थी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने महिला के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सीआईएसएफ की पहल से आत्महत्या में 40 प्रतिशत की कमी

आत्महत्या की दर राष्ट्रीय औसत से नीचे आई

गुवाहाटी। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में बल के सदस्यों की आत्महत्या एक गंभीर चिंता का विषय है। तनाव, लंबे समय तक परिवार से दूरी और व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा कार्य से संबंधित दबाव अक्सर इस जटिल समस्या को बढ़ाते हैं। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने सतत सक्रिय उपायों को लागू करके इस चुनौती का सामना करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसके फलस्वरूप वर्ष 2024 में बल के सदस्यों की आत्महत्याओं में काफी कमी आई है। एनसीआरबी द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022 में राष्ट्रीय आत्महत्या दर 12.4 प्रति लाख थी। इसकी तुलना में, वर्ष 2024 में सीआईएसएफ में आत्महत्या दर घटकर 9.87 प्रति लाख रह गई है, जो कि वर्ष 2023 की तुलना में 40 प्रतिशत से अधिक की गिरावट है। पिछले पांच वर्षों में यह पहली बार है कि सीआईएसएफ में आत्महत्या दर राष्ट्रीय दर से नीचे आ गई है। सीआईएसएफ ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सक्रिय आधार पर समाधान करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं जिसके परिणामस्वरूप आत्महत्याओं में काफी कमी आई है।

भयावह सड़क दुर्घटना में महिला समेत दो व्यक्तियों की मौत, एक घायल

कोकराझाड़ (हिंस)। जिले के गोसाईगांव महकमा के भावरागुरी में आज हुए भयावह सड़क दुर्घटना दो व्यक्तियों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा एक ट्रक ने चार पहिया वाहन को ठोकर मारने के बाद एक व्यावसायिक को क्षतिग्रस्त कर दिया। मृतकों में भावरागुरी पुलिस चौकी के अंतर्गत डांगाइमारी गांव निवासी महिला तारामणि बर्मन और महकमे के तुलसीबील नांदरबिटा के अबुल कलाम आजाद शामिल हैं। मृत महिला अपने पुत्र को लेने के लिए भावरागुरी शंकरदेव शिशु निकेतन गई थी, तभी यह दुर्घटना हुई। मृत पुरुष व्यक्ति विद्यालय के सामने दुकान चला रहा था, जब ट्रक ने उसे कुचल दिया। आलू से भरा ट्रक (एएस-01जेसी-1302) सापटग्राम की ओर जा रहा था, इसी दौरान यह दुर्घटना हुई। ट्रक की चपेट में आए चार पहिया अल्टो वाहन (एएस-16एल-5988) का चालक, टेट शिक्षक सुभीर सरकार गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है। ट्रक के नीचे फंसी मृत महिला तारामणि बर्मन के शव को निकालने के लिए जेसीबी से बचाव कार्य चलाया गया।

भाजपा के बाक्सा जिला अध्यक्ष की नियुक्ति

बाक्सा (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्षों के नामों की घोषणा की गई। बाक्सा जिला भाजपा के अध्यक्ष के रूप में दिनेश बसु ने जिम्मेदारी संभाली है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने पार्टी को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। दिनेश बसु ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और राज्य भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता को धन्यवाद् दिया। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नीति-आदर्शों का पालन करते हुए राष्ट्र निर्माण के कार्य में जुटने की अपील की। नवनियुक्त बाक्सा जिला भाजपा अध्यक्ष को बाक्सा जिले के जालाह स्थित उनके आवास पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। अंग्रेजी नववर्ष के पहले सप्ताह में बाक्सा जिला भाजपा के लिए यह एक शुभ समाचार है।

जेसीआई, गुवाहाटी हुनर ने जरूरतमंदों के बीच वितरण किया कंबल

गुवाहाटी। जेसीआई गुवाहाटी हुनर ने कड़ाके की ठंड को मद्देनजर रखते हुए गत 2 जनवरी को शुक्लेश्वर मंदिर एवं डायनेस्टी होटल के पास कंबल का वितरण किया। इस दौरान करीब 300 परिवार लाभान्वित हुए। इस प्रोजेक्ट का नाम खुशी 6.0 है। ज्ञातव्य हो कि जेसीआई गुवाहाटी हुनर पिछले 6 सालों ये प्रोजेक्ट करता आ रहा है। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि जेसी सुमित पोद्दार, जोन के उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के प्रायोजक जेसी आशु गुप्ता उपस्थित थे। जेसीआई गुवाहाटी हुनर ने फुलाम गामोछा से इनका स्वागत किया। इस मौकेपर जेसीआई गुवाहाटी हुनर की अध्यक्ष नेहा गुप्ता के अलावा सचिव रवि कुंडलिया, कोषाध्यक्ष अमित बाकलीवाल, प्रोजेक्ट चेयरपर्सन विवेक चौधरी, उपाध्यक्ष बिजनेस जेसी मनीष गंगवाल, जेजे विंग्स से आईपीपी मानस गुप्ता उपस्थित थे।

होजाई : श्री श्याम समागम संपन्न

होजाई निसं)। कलयुग के राजा खाटू नरेश, प्यारा सा मुखड़ा, घुंघराले केश, कलयुग के राजा खाटू नरेश...। श्याम बाबा के मनमोहक रूप का ऐसा संगीतमय वर्णन हो तो भला कौन भक्त भक्ति में डूबे बिना रह सकता है। साथ में तालियों की ध्वनि और बाबा के जयकारे। कुछ ऐसा ही नजारा था होजाई स्थित जुगल किशोर केडिया स्मृति भवन में सांवरिया भक्त मंडल होजाई के बैनर तले व मोर परिवार के सहयोग से नए साल के प्रथम दिन श्याम प्रेमियों द्वारा श्री श्याम समागम का भव्य आयोजन हुआ। दोपहर बाद तय समय पर शुरू हुए समागम को लेकर पहले से ही कुछ नियम अपेक्षित थे। ऐसे में भक्तों ने भी इसको मानने से परहेज नहीं किया। इस अवसर पर बाबा श्याम का दरबार सजाया गया, वही पूरा माहौल श्याम में हो गए। शिवसागर से पवन अग्रवाल के नेतृत्व में आए समागम आराधकों के दल ने गणेश वंदना से शुरुआत की। एक के बाद एक 31 संगीतमय भजनों की लड़ियां पिरोते हुए श्री श्याम वंदना से समागम का समापन हुआ। दल में शामिल शकुंतला अग्रवाल,प्रतिभा लड्ढा उपस्थित थे। आरती के बाद उपस्थित सभी भक्तों ने मोर छड़ी से आशीर्वाद लिया। वहीं सभी भक्तों को मोतियों की माला पहनाकर, समागम में स्वागत किया गया व श्याम रसोई के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।।

श्री श्याम सत्संग मंडल बेलतला का 22वां रंगारंग श्याम महोत्सव 10 को

गुवाहाटी। श्री श्याम सत्संग मंडल बेलतला का 22वा रंगारंग श्याम महोत्सव का आयोजन 10 जनवरी वशिष्ठ चाराली स्थित मेघा प्लाजा में किया जाएगा। इसकी जानकारी सत्संग मंडल के वरिष्ठ सदस्य के द्वारा दी गई। पिछले दिनों वरिष्ठ सदस्यों की बैठक में सर्वसम्मति से कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई जिसमें 10 जनवरी शुक्रवार को संध्या 7 बजे बाबा का भव्य श्रृंगार, छप्पन भोग के साथ ही अखंड जोत जला कर महोत्सव का शुभारंग किया जाएगा, पूजा के पश्चात कोलकाता के किशन म्यूजिकल ग्रुप के नीरज अग्रवाल तथा रोशनी गुप्ता द्वारा भजन का कार्यक्रम पूरी रात चलाया जाएगा। इसके साथ ही कलकत्ता के लोकप्रिय कलाकार भास्कर एंड पार्टी द्वारा नृत्य नाटिका की प्रस्तुति की जाएगी, सत्संग मंडल के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार दूसरे दिन 11 जनवरी को भव्य भंडारे के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आकाशवाणी कोकराझाड़ के 10 किलोवाट के एफएम ट्रांसमीटर का उद्घाटन किया

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक विकास में, केंद्रीय सूचना और प्रसारण, रेलवे, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज गुवाहाटी, असम से आकाशवाणी कोकराझाड़ में 10 किलोवाट के एफएम ट्रांसमीटर का वर्चुअल उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा, राज्यसभा सांसद पाबित्रा मार्गेरिटा, शिक्षा मंत्री रनोज पेगु और अन्य प्रमुख नेताओं सहित प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कोकराझाड़ के साइंस कॉलेज में एक साथ आयोजित कार्यक्रम में बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने इस दिन को ऐतिहासिक बताया और इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि क्षेत्र के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और प्रसारण सेवाओं में विकास की लंबे समय से प्रतीक्षित इच्छा अब पूरी हो गई है। बोड़ो ने कहा कि यह एफएम ट्रांसमीटर 70 किलोमीटर के दायरे में उच्च गुणवत्ता वाले प्रसारण प्रदान करेगा, जिससे कोकराझाड़ और आस-पास के जिलों के लिए ग्रहणशीलता बढ़ेगी। बीटीसी प्रमुख ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस पहल से महत्वपूर्ण सूचना, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मनोरंजन तक पहुंच में सुधार होगा, जिससे क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा और सामुदायिक जुड़ाव बढ़ेगा। उन्होंने इस दूरदर्शी पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार भी व्यक्त किया, जो क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास लाने का वादा करता है। उन्होंने आगे जोर दिया कि इस पहल से यह सुनिश्चित होगा कि समाचार और सूचना दूरदराज के क्षेत्रों तक भी पहुंचे, जिससे बेहतर कनेक्टिविटी और समावेशिता हो सके। इस अवसर पर सांसद रवांग्रा नरजारी और जोयंत बसुमतारी, बीटीसी ईएम उकिल मुशहरी, पूर्व विधायक चंडी बसुमतारी, जिला आयुक्त मसंदा पर्टिन, ऑल इंडिया रेडियो-आकाशवाणी के वरिष्ठ अधिकारी सहित अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। 20 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर के साथ 1999 में स्थापित आकाशवाणी कोकराझाड़ ने शुरुआत में 100 वाट का एफएम ट्रांसमीटर जोड़ा था। हालांकि, इस क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा अभी भी वंचित है। 5.61 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित नवनिर्मित एफएम ट्रांसमीटर से न केवल कोकराझाड़ के लोगों को बल्कि पड़ोसी जिलों जैसे बंगाईगांव, धुबड़ी, चिरांग और गोलपारा के लोगों को भी लाभ होगा। श्रोता बोड़ो और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाले एफएम प्रसारण के लिए 102 मेगाहर्ट्ज पर ट्यून कर सकते हैं। आकाशवाणी कोकराझाड़ क्षेत्र की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को ध्यान में रखते हुए शैक्षणिक, सूचनात्मक और सांस्कृतिक विषय-वस्तु सहित विविध प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत करना जारी रखेगा।

संपादकीय

आक्रांता और लुटेरा ही था गजनवी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने महमूद गजनवी को आक्रमणकारी और डाकू-लुटेरा बताकर खलबली मचा दी है। आसिफ ने समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा है कि "महमूद गजनवी आता था और लूटमार करके वापस चला जाता था। हालांकि, हमारे यहाँ उसे हीरो के तौर पर चित्रित किया जाता है, लेकिन मैं उसे हीरो नहीं मानता"। उनके बयान को पाकिस्तान में 'एंटी पाकिस्तान' कहा जा रहा है। पाकिस्तान के दूसरे बड़े नेता रक्षा मंत्री के बयान को 'भारतीय सोच' बता रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान महमूद गजनवी को अपना आदर्श मानता है। हालांकि, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का कहना बिल्कुल ठीक है क्योंकि जिस समय महमूद गजनवी ने भारत पर आक्रमण किया और यहाँ लूट-मार की थी, तब पाकिस्तान नाम का अस्तित्व ही नहीं था। भले ही पाकिस्तान इतिहास को झुठलाए लेकिन यह सत्य है कि भारत और पाकिस्तान का साझा इतिहास है। वह इतिहास बताता है कि महमूद गजनवी एक लुटेरा ही था। दुर्भाग्य की बात यह है कि जिस सच को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री आसिफ ने स्वीकार कर लिया है, उसे भारत में बैठे कई लोग स्वीकार नहीं करते हैं। भारत पर हमला करनेवाले महमूद गजनवी, चंगेज खान से लेकर बाबर तक को यदि आक्रांता कहा जाता है तब यहाँ भी अनेक सेकुलर नेता एवं बुद्धिजीवी उनके वकील बनकर खड़े हो जाते हैं। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में अनेक स्थान ऐसे ही बर्बर लुटेरे एवं आक्रांताओं के नाम से पहचाने जाते हैं। जब वर्तमान मोदी सरकार आक्रांताओं के निशानों को मिटाने का प्रयत्न करती है, तब यही सेकुलर ब्रिगेड हो-हल्ला मचाती है। सोचिए, जिस बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को नष्ट करने का भयंकर अपराध किया, उसके नाम पर हमारे यहाँ रेलवे स्टेशन है। जिस बाबर ने भारत में कत्लोगारत की, उसके नाम से एक समय तक तथाकथित बाबरी ढांचा था, जिसे मस्जिद बताकर एक बड़ा वर्ग उसके साथ खड़ा होता था। आक्रांताओं के संबंध में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री की सोच स्पष्ट है लेकिन भारत में कई लोग भ्रम का शिकार हैं। जिस बाबर के नाम पर भारत में छाती पीटी जाती है, उसे तो अफगानिस्तान ने भी अपना नहीं माना। जनसंघ के बड़े नेता रहे बलराज मधोक ने अपनी पुस्तक 'जिन्दगी का सफर-२, स्वतंत्र भारत की राजनीति का संक्रमण काल' में उल्लेख किया है कि वह अगस्त 1964 में काबुल यात्रा पर गए। वहाँ उन्होंने काबुल स्थित बाबर का मकबरा देखा। इतने बड़े बादशाह के मकबरे की हालत खस्ता थी। इसके ईदगिर्द न सुन्दर मैदान था और न फूलों की क्यारियां। यह देख बलराज मधोक ने मकबरा की देखभाल करनेवाले एक अफगान कर्मचारी से पूछा कि इसके रखरखाव पर विशेष ध्यान क्यों नहीं दिया जाता? उसका उत्तर सुनकर वे अवाक रह गए और शायद आप भी सोचने पर मजबूर हो जाएं। उसने मधोक को उत्तर दिया था – "कुत्सित विदेशी के मकबरे का रखरखाव हम क्यों करें?" काबुल में वह वास्तव में विदेशी ही था। उसने फरगना से आकर काबुल पर अधिकार कर लिया था। परन्तु कैसी विडम्बना है कि जिसे काबुल वाले विदेशी मानते हैं उसे हिन्दुस्तान के पथभ्रष्ट बुद्धिजीवी हीरो मानते हैं। इसका मूल कारण उनमें इतिहास-बोध और राष्ट्रभावना का अभाव होना है। जिस दिन लोग निरपेक्ष भाव से इतिहास को देखना शुरू करेंगे, उन्हें भी पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की भाँति महमूद गजनवी से लेकर बाबर तक में आक्रांता और लुटेरा नजर आने लगेगा। जो लोग केवल संप्रदाय के नाम पर इन लुटेरों को अपना हीरो मानते हैं, उन्हें एक बार अपने बारे में विचार करना चाहिए। साथ ही, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के बयान पर गहरायी से चिंतन करना चाहिए।

> आसिफ ने समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा है कि "महमूद गजनवी आता था और लूटमार करके वापस चला जाता था। हालांकि, हमारे यहाँ उसे हीरो के तौर पर चित्रित किया जाता है, लेकिन मैं उसे हीरो नहीं मानता"। उनके बयान को पाकिस्तान में 'एंटी पाकिस्तान' कहा जा रहा है। पाकिस्तान के दूसरे बड़े नेता रक्षा मंत्री के बयान को 'भारतीय सोच' बता रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान महमूद गजनवी को अपना आदर्श मानता है। हालांकि, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का कहना बिल्कुल ठीक है क्योंकि जिस समय महमूद गजनवी ने भारत पर आक्रमण किया और यहाँ लूट-मार की थी, तब पाकिस्तान नाम का अस्तित्व ही नहीं था। भले ही पाकिस्तान इतिहास को झुठलाए लेकिन यह सत्य है कि भारत और पाकिस्तान का साझा इतिहास है।

भारत में शिक्षा प्रणाली लाखों छात्रों के जीवन और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है

स्कूलों में छात्रों की संख्या का घटना चिन्ताजनक

ललित गर्ग

> स्कूली छात्रों की संख्या घटना न केवल चिंताजनक और विचारणीय है बल्कि नये भारत–सशक्त भारत निर्माण की एक बड़ी बाधा भी है। भारत में स्कूलों की संख्या में करीब 5,000 की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों सहित 14,89,115 स्कूल हैं। ये स्कूल 26,52,35,830 छात्रों को पढ़ाते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों को उनकी प्रतिष्ठा, स्थापना के वर्षों, महत्वपूर्ण स्कूल परिणामों, मार्केटिंग रणनीतियों आदि के कारण उच्च छात्र नामांकन प्राप्त होते हैं लेकिन पर साल 2022–23 व 2023–24 के बीच स्कूली छात्रों के नामांकन में 37 लाख की कमी आई है।

शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्कूलों की संख्या बढ़ रही है, पर स्कूली छात्रों की संख्या घट रही है। स्कूली छात्रों की संख्या घटना न केवल चिंताजनक और विचारणीय है बल्कि नये भारत-सशक्त भारत निर्माण की एक बड़ी बाधा भी है। भारत में स्कूलों की संख्या में करीब 5,000 की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों सहित 14,89,115 स्कूल हैं। ये स्कूल 26,52,35,830 छात्रों को पढ़ाते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों को उनकी प्रतिष्ठा, स्थापना के वर्षों, महत्वपूर्ण स्कूल परिणामों, मार्केटिंग रणनीतियों आदि के कारण उच्च छात्र नामांकन प्राप्त होते हैं लेकिन पर साल 2022-23 व 2023-24 के बीच स्कूली छात्रों के नामांकन में 37 लाख की कमी आई है। यह स्थिति अनेक सवाल खड़े करती है। क्या स्कूली शिक्षा ज्यादातर बच्चों की पहुंच के बाहर है? क्या शिक्षा का आकर्षण पहले की तुलना में घटा है? भारत में शिक्षा प्रणाली लाखों छात्रों के जीवन और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने समृद्ध इतिहास और विविध संस्कृति के साथ, भारत में एक जटिल और विशाल शैक्षिक परिदृश्य है। भारत में शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा सहित विभिन्न चरण शामिल हैं। महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। डेटा एग्रीगेशन प्लैटफॉर्म यूनिफाइड डिसट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की यह ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है। बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर होने के बावजूद छात्रों की संख्या का घटना गहन विमर्श का विषय है। शिक्षा मानव-जीवन के विकास का आधार स्तंभ है। शिक्षा के अभाव में मानव-जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। यह मनुष्य को उत्कृष्टता एवं उच्चता के शिखर पर स्थापित करती है। शिक्षा प्रकाश एवं शक्ति का ऐसा स्रोत है जो नये

भारत के विकास का आधार है। जो हमारी शारीरिक, मानसिक, भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों तथा क्षमताओं का निरन्तर सामंजस्यपूर्ण विकास करके नये भारत, सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूती देता है। देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन छात्रों के नामांकन में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई वहीं इनमें होने वाला छात्रों का नामांकन 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी श्रेणियों यानी लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि में है। जहां तक शिक्षा के बीच में छात्रों के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी स्तर में होने वाली बढ़ोतरी ज्यादा परेशान करने वाली है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2 प्रतिशत है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9 प्रतिशत हो जाती है। इसके पीछे ओबीसी और एससी-एसटी श्रेणी के छात्रों को दाखिले के दौरान होने वाली जटिल प्रक्रिया, मुश्किलें और किसी अभावग्रस्त छात्र के लिए आर्थिक मदद या छात्रवृत्ति जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है। छात्रों के नामांकन की घटती संख्या को जाति के आधार पर अगर देखें, तो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के नामांकन में 25 लाख से अधिक, अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के छात्रों में 12 लाख और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के छात्रों में दो लाख की गिरावट हुई है। नामांकन से वंचित हुए अल्पसंख्यक छात्रों की संख्या तीन लाख है, जबकि इनमें से एक तिहाई मुस्लिम हैं। भारत में नई पीढ़ी को यथोचित शिक्षा नहीं मिल पा रही है। शिक्षा से वंचित रहने के जो कारण हैं, उनमें सबसे बड़ा कारण गरीबी है। सरकारी स्तर पर सरकारों ने गरीब छात्रों के लिए अनेक इंतजाम किए हैं, पर इन इंतजामों का सभी छात्रों तक समान रूप से पहुंचना आसान नहीं है। निचले स्तर पर शिक्षकों और शिक्षा कर्मचारियों को जितना सजग होना चाहिए, उतना सजग वे नहीं हो पा रहे हैं। भारत जैसे देश में शिक्षा एक अभियान है, इसके लिए अगर नियोजित एवं उत्साहपूर्ण माहौल न बनाया जाए, तो गरीब व वंचित बच्चों तक शिक्षा को पहुंचाना चुनौतीपूर्ण है। कोई संदेह नहीं कि किसी भी अभियान में अगर समर्पित लोग आपके पास नहीं हैं, तो फिर उस अभियान की सफलता संदिग्ध हो जाती है।

भारत में शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की जरूरत है। यदि हमें सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करना है और सही दिशा में आगे बढ़ना है तो कई पहलुओं एवं मोर्चों पर काम करना आवश्यक है। हमारी आजादी के बाद से ही शिक्षा क्षेत्र में कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन्होंने हमें दुनिया में एक विकसित राष्ट्र बनने से रोक दिया है। भारत में एक सभ्य शिक्षा प्रणाली के महत्व की जरूरत को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नयी शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। देश की शिक्षा प्रणाली को नया आकार दिया जा रहा है और शिक्षा से जुड़े कई बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। प्रणाली को आधुनिक बनाने और व्यावसायिक प्रशिक्षण शुरू करने के प्रयास हो रहे हैं। बहरहाल, यह खुशी की बात है कि अब भारत के 91.7 प्रतिशत स्कूलों तक बिजली पहुंच चुकी है। अभियान चलाकर देश के बाकी बचे स्कूलों तक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। देश में 98 प्रतिशत से ज्यादा स्कूलों तक पेयजल सुविधा के साथ ही टॉयलेट की सुविधा पहुंच चुकी है। स्कूलों को संसाधन संपन्न बनाने के साथ ही शिक्षकों और पुस्तकों की गुणवत्ता एवं स्कूलों को संसाधन के स्तर पर भी बहुत मजबूत करने की जरूरत है।

दृष्टि कोण

क्या ताइवान पर हमला करने वाला है चीन !

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नए साल के भाषण में एक बार फिर कहा है कि कोई भी ताकत ताइवान को चीन के साथ मिलाने से नहीं रोक सकती है। इससे पहले भी गत वर्ष के अंत में, ताइवान के आसपास चीनी लड़ाकू जहाज और और विमानों की खासी हलचल रही है। चीन के इस आक्रामक रुख ने दुनिया भर का ध्यान खींचा है और चर्चा चलने लगी है कि क्या चीन और ताइवान में जंग छिड़ने वाली है। ताइवान और चीन के बीच तनातनी की शुरुआत दूसरे विश्व युद्ध के बाद तब शुरू हुई जबकि चीन में राष्ट्रवादी सरकारी सेना और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के बीच गृहयुद्ध शुरू हो गया। 1949 में कम्युनिस्ट जीत गए और उनके नेता माओत्से तुंग ने चीन की राजधानी बीजिंग पर कब्जा कर लिया। हार के बाद राष्ट्रवादी पार्टी कुओमिंतांग के नेता ताइवान भाग गए। तबसे ही कुओमिंतांग ताइवान की सबसे प्रमुख राजनीतिक पार्टी है और ताइवान पर ज्यादातर समय इसी पार्टी का शासन रहा है। हालांकि 1979 में अमेरिका ने भी चीन के साथ एक संधि करते हुए ताइवान को चीन का हिस्सा मानकर 'वन चाइना पॉलिसी' को मंजूरी दे दी थी। इसके बावजूद 1979 में ही अमेरिका ने ताइवान में अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ ताइवान स्थापित किया। यह ताइवान में अमेरिकी दूतावास की तरह काम करता है। अमेरिका ने ताइवान को हथियार सप्लाई किए और आज भी ताइवान को हथियार मुहैय्या करवा रहा है। रूस इस मामले में शुरू से ही चीन के साथ रहा। भारत ने भी ताइवान को मान्यता नहीं दी है। चीन के साथ सीमा विवाद पर समझौते हुए हैं और हमारे रिश्ते सुधरे हैं। चीन ताइवान को अपना अभिन्न हिस्सा मानता है ओर सरकार ने जनता के दिल में यह बात बैठा दी है कि ताइवान के बिना चीन अधूरा है। इसके अलावा चीन ताइवान पर कब्जा करके गुआम और हवाई जैसे अमेरिकी मिलिट्री बेस वाले पश्चिमी प्रशांत महासागर इलाके में अपना दबदबा भी बनाना चाहता है। ताइवान को लेकर चीन की नीति हमेशा से एक जैसी रही है जिसमें कोई बदलाव नहीं हुआ। इससे पहले भी जनवरी 1979 में चीन ने ताइवान को मिलाने की बात कही थी। 1980 के दौरान चीन और ताइवान के बीच रिश्ते बेहतर होने लगे तो दोनों देशों के बीच व्यवसाय, निवेश और पर्यटन भी बढ़ने लगा था जो 35 साल जारी रहा। हालांकि चीन ने 2004 में संसद में एक अलगाव विरोधी कानून पास किया था। इसके मुताबिक अगर ताइवान किसी भी तरह से चीन से अलग होने की कोशिश करेगा तो चीन इसे कुचलने के लिए मिलिट्री पावर का इस्तेमाल कर सकता है। 2016 में ताइवान में डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) के त्साई इंग-वेन राष्ट्रपति बने। वेन ताइवान को चीन में मिलाने का विरोध करते रहे हैं। इसके बाद से चीन और ताइवान के बीच विवाद बढ़ता गया। ताइवान की ओर से लगातार चीन के प्रभाव से आजादी की मांग उठने लगी। 2 जनवरी 2019 को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ताइवान के साथ शांतिपूर्वक बातचीत करने का ऐलान किया लेकिन जिनपिंग ने ताइवान की आजादी की मांग को खारिज कर दिया। कोरोना के बाद से चीन की अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट आई है। बढ़ती जनसंख्या और कम होते संसाधनों को नियंत्रित करना चीन के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। जनता इन मुद्दों को बखूबी समझ चुकी है। इसलिए जिनपिंग ताइवान के मुद्दे को हवा देकर जनता का ध्यान भटका रहे हैं। इसके अलावा अक्टूबर 2024 में अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने हिंद महासागर में क्वाड ग्रुप का मालाबार युद्धाभ्यास किया था। इसके जरिए क्वाड देशों ने चीन के सामने शक्ति प्रदर्शन किया था और उसे पीछे हटने का मैसेज दिया था। चीन क्वाड इस बढ़ते दबदबे को कम करना चाहता है। ऐसे में दिसंबर 2024 की शुरुआत से चीन ने ताइवान के आसपास के समुद्री इलाकों को घेरना शुरू कर दिया था। दक्षिणी चीन सागर में बड़ी संख्या में नेवी के जवानों और युद्धपोतों को तैनात किया है। इसके साथ ही चीन ने ताइवान के चारों ओर की समुद्री सीमा में दो सैन्य युद्धाभ्यास भी किए। इसमें एक युद्धाभ्यास रूस के साथ किया। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी ताइवान मुद्दे पर चीन का समर्थन करते हुए कहा कि ताइवान को लेकर रूस हमेशा से चीन का समर्थन करता आया है, ये आगे भी जारी रहेगा। लावरोव ने अमेरिका पर भी आरोप लगाया कि वह ताइवान के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियां बढ़ाकर नया तनाव पैदा कर रहा है। अभी तक अमेरिका ताइवान की मदद करता आ रहा है लेकिन अब वहां नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आ रहे हैं, जो अपना रुख बदलते रहते हैं। जिनपिंग चाहते हैं कि अब ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद ताइवान को मदद न मिले। शी जिनपिंग ने इस बयान के जरिए ताइवान और उसकी आजादी के समर्थक देशों को चेतावनी दी है कि ताइवान के मुद्दे पर कोई बीच में न आए। इसके अलावा ताइवान अब चीन के लिए राष्ट्रवाद का मुद्दा बन चुका है और चीन ने 2027 तक ताइवान पर कब्जा करने की योजना बनाई है। चीन के पास ताइवान से 12 गुना एक्टिव सैनिक हैं। इसलिए ताइवान पर कब्जा करना चीन के लिए मुश्किल नहीं है लेकिन चीन अपनी स्थिति समझता है और वैश्विक स्तर पर उसे अपना मुकाम पता है। इसलिए चीन युद्ध जैसे हालात नहीं चाहता।

कुछ अलग

अंबेडकर और कांग्रेस

कांग्रेस और अंबेडकर का वैचारिक स्तर पर आपस में क्या संबंध है, इसको लेकर पिछले कुछ दिनों से चर्चा तेज होती जा रही है। दरअसल कुछ दिन पहले गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि कुछ लोग दिन-रात अंबेडकर की माला जपते रहते हैं, यदि वे उतनी माला अपने इष्ट देव की जपते तो शायद तर जाते। तर जाते यानी उनकी वह इच्छा पूरी हो जाती जिसके लिए वह माला जप रहे हैं। भारतीय राजनीति को गहराई से देखने वाले यह समझ ही सकते हैं कि आजकल अंबेडकर की माला जपने में सबसे आगे कांग्रेस पार्टी और आम आदमी पार्टी ही है। लेकिन दोनों का ही अंबेडकर के चिंतन से कुछ लेना-देना नहीं है। सबसे पहले कांग्रेस की ही बात की जाए। जिन दिनों अंग्रेजों की सरकार थी और कांग्रेस आजादी के लिए लड़ रही थी तो अंबेडकर ने कांग्रेस का व्यावहारिक व सैद्धांतिक रूप से अध्ययन करने के बाद कहा था कि मुझे लग रहा है कि कांग्रेस केवल सत्ता प्राप्ति के लिए लड़ रही है। आज एक शताब्दी से भी ज्यादा समय निकल जाने के बाद कांग्रेस किसी वैचारिक अनुष्ठान के लिए नहीं, बल्कि महज सत्ता प्राप्ति के लिए संघर्ष करती प्रतीत हो रही है। लेकिन क्या इसे संयोग कहा जाए कि इसके लिए वह उसी अंबेडकर की माला जप रही है, जिसे उसने कभी अंग्रेजों का एजेंट तक कहा था। कांग्रेस के सबसे बड़े नेता पंडित जवाहर लाल नेहरु, जिनके साथ आज का सोनिया गांधी परिवार प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अपना संबंध जोड़ रहा है, ने 26 जनवरी 1946 को राजकुमारी अमृत कौर को एक पत्र में लिखा था कि अंबेडकर तो ब्रिटिश सरकार का आदमी था। नेहरु का बस चलता तो शायद अंबेडकर संविधान सभा के सदस्य भी न हो पाते। यह तो पश्चिमी बंगाल के कुछ लोगों का प्रयास था कि अंबेडकर संविधान सभा में पहुंच पाए। सभी जानते हैं कि नेहरु किसी यूरोप के गोरे को भारतीय संविधान लिखने का 'महान दायित्व' देने वाले थे। महात्मा गांधी जी की दखलअंदाजी से अंबेडकर को प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। लोकसभा के पहले चुनाव से पूर्व जो मंत्रिमंडल नेहरु के नेतृत्व में बना था, उसका कारण कांग्रेस की सदाशयता नहीं थी, बल्कि लोकसभा के गठन से पूर्व किसी एक पार्टी का मंत्रिमंडल नहीं होना चाहिए, बल्कि राष्ट्रीय मंत्रिमंडल होना चाहिए, यह सैद्धांतिक निर्णय था। इस मंत्रिमंडल में हिंदु महासभा के अध्यक्ष डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अकाली दल के बलदेव सिंह भी थे। कांग्रेस का सारा जोर इनको किस तरह से मंत्रिमंडल से निकाला जाए, इन षड्यंत्रों में लगा रहता था। कांग्रेस ने अंबेडकर को अपमानित करने में हर तरीका इस्तेमाल किया। अंबेडकर ने नेहरु के व्यवहार एवं समाज विरोधी नीतियों के चलते उनके मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दिया था, यह भारतीय इतिहास का सामान्य छात्र भी जानता है। लेकिन पंडित नेहरु इसकी सूचना हजारों मील दूर लंदन में लार्ड माऊंटबेटन की पत्नी को एक लंबी चि_ी में लिखते हुए बताते हैं कि मैंने उसे अपने मंत्रिमंडल से निकाल दिया है। कांग्रेस इतना तो जानती है कि 'त्यागपत्र देने' और 'निकालने' में बहुत फर्क होता है। लेकिन इससे एक प्रश्न और पैदा होता है कि नेहरु देश की भीतरी राजनीति की खबरें माऊंटबेटन की पत्नी को क्यों दे रहे थे? अंग्रेजों के आदमी आखिर कौन थे? अंबेडकर ने संस्कृत गंथों का गहन अध्ययन कर हिंदु कोड बिल तैयार किया था। उसको लेकर बहुत विवाद हुआ था। अंबेडकर का कहना था कि इन चार बिलों के सभी प्रावधान भारत के प्राचीन ग्रंथों में से ही लिए गए हैं। वे उन ग्रंथों के उद्धरण भी बता रहे थे। वैचारिक स्तर पर कांग्रेस भी हिंदु कोड बिल से सहमत थी।

देश दुनीया से

मंडी के पड्डल मैदान को बर्बाद मत करो

केंद्रीय खेल मंत्रालय अन्य राज्यों के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में भी युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के साथ मिलकर हर साल करोड़ों रुपए नए खेल मैदानों को बनाने व पुराने मैदानों के रखरखाव के लिए जारी करता है, मगर हकीकत में इस धन राशि की खूब बंदरबांट होती है। कहीं पर भी पूरी तरह से खेल मैदान तैयार नहीं हुआ है और जो था, वह भी बर्बाद कर दिया गया। अब मंडी के खूबसूरत पड्डल मैदान में इंडोर स्टेडियम बनाने के लिए सदर के विधायक अनिल शर्मा कह रहे हैं। पड्डल मंडी शहर के सभी शिक्षा संस्थानों के खेल मैदान का दायित्व तो अकेला निभाता ही है, साथ में पूरे शहर के लिए सवेरे की सैर को भी पूर्ण करता है। मंडी के तत्कालीन शासकों ने इसे अपनी सेना की परेड व शिवरात्रि उत्सव के लिए भी बनाया था जो आज भी हर वर्ष जारी है। पड्डल हर दिन सैंकड़ों विद्यार्थियों व अन्य नागरिकों की फिटनेस को कवर करता है। जब यहां कंक्रीट का इंडोर बना देंगे तो वहां अंदर कितने लोग आ पाएंगे? विधायक जी आप इसके लिए और जगह देखें, वहां इंडोर स्टेडियम बनाएं जिसके साथ आपका नाम सकारात्मक व आदर से जुड़े। मंजिल चाहे खेलों की हो या फिटनेस की, इन सबके लिए खेल मैदानों का होना बहुत जरूरी है। विद्यार्थी जीवन में ही पूरे जीवन के लिए स्वास्थ्य की नींव रखी जाती है, मगर हमारे विद्यालयों में खेल मैदानों के अभाव में विद्यार्थी की फिटनेस का कोई भी कार्यक्रम नहीं है। हिमाचल प्रदेश का अधिकांश भूभाग पहाड़ी होने के कारण मैदानों के लिए बहुत मुश्किल से लंबी-चौड़ी जगह मिल पाती है। इसलिए हिमाचल प्रदेश के शिक्षा संस्थानों के पास बहुत कम खेल मैदान हैं और जहां हैं भी, उन्हें कभी भवन तो कभी पार्किंग बनाकर यूं ही बरबाद किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के मैदानों में विज्ञान के लिए प्रयोगशाला भवन तो कभी किसी और के लिए भवन बना कर खत्म कर दिया जा रहा है। हिमाचल में ऐसे बहुत क्षेत्र हैं जहां वालीबॉल व कबड्डी की प्ले फील्ड होना भी बड़ी बात है। हिमाचल प्रदेश सरकार इस विषय पर ध्यान दे ताकि भविष्य में विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ स्वास्थ्य भी मिल सके। एक समय था जब विद्यार्थी सवेरे-शाम अपने अभिभावकों के साथ कृषि कार्य में हाथ बंटाता था, फिर कई किलोमीटर चल कर विद्यालय पहुंचता था। उस समय किसी भी फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत नहीं थी, मगर आज जब पढ़ाई के लिए घर का काम बंद है, पैदल चलने का रिवाज ही नहीं है तथा खेल के नाम पर मोबाइल व कम्प्यूटर है तो फिर फिटनेस के लिए खेल मैदान तो अनिवार्य हो जाता है। नहीं तो फिर हमारी संतानें कहीं नशे के दलदल में फंस जाएंगी। उस उच्च शिक्षा का क्या अर्थ रह जाता है जिससे आप प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, अभियंता, चिकित्सक, प्रबंधक तो बन जाते हैं, मगर आप स्वस्थ रह कर साठ वर्षों तक देश व प्रदेश की सेवा नहीं कर पा रहे हैं। अब तो लोग तीस-चालीस साल की उम्र में जानलेवा बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इस सबके पीछे जिम्मेदार बिना फिटनेस कार्यक्रम की स्कूली शिक्षा है। फिटनेस के इस संवेदनशील विषय पर इस कॉलम के माध्यम से सरकार व अभिभावकों को बार-बार सचेत किया जाता रहा है। हिमाचल प्रदेश के अधिकांश विद्यालयों में पढने के लिए कमरे तो हैं, मगर उनकी फिटनेस के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है। मैदान होंगे, तभी फिटनेस पर कार्य होगा। हिमाचल प्रदेश का शिक्षा विभाग निजी शिक्षा संस्थान खोलने के लिए तो मैदान की अनिवार्य शर्त रखता है, मगर अपने सरकारी संस्थानों के मैदानों में भवन व पार्किंग बनाकर अपने ही नियमों को ठेंगा दिखा रहा है। अभी भी समय है कि हिमाचल प्रदेश की जनता व सरकार दोनों को विद्यार्थी जीवन में फिटनेस कार्यक्रम के महत्व को समझना होगा, नहीं तो भविष्य में हमारी अगामी पीढियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेल जगत में बहुत कड़ी प्रतिस्पर्धा हो गई है। इसलिए उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करने पर भी पोडियम तक पहुंचना सबके बस की बात नहीं है। अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की पदक तालिका में स्थान बनाने के लिए जहां विद्यालय स्तर से ही अच्छे ज्ञानवान प्रशिक्षक चाहिए, वहीं पर प्ले फील्ड भी बहुत जरूरी है। हिमाचल प्रदेश के खेल मैदानों व अन्य हाल ही के वर्षों में बनी अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड का रखरखाव भी ठीक ढंग से नहीं हो रहा है। हिमाचल प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैंकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाए गए, उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ मैदान चंबा, मंडी, अमतर, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहडू, सराहन, सोलन, चैल व नाहन में थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों व उत्सवों से बचे समय में होती रही हैं। सुजानपुर व जयसिंहपुर के बड़े मैदानों पर तो पहले ही बहुत अतिक्रमण हो चुका है। अब मंडी के पड्डल मैदान में तो इंडोर बना कर उसे बर्बाद करने की कसरत शुरू हो गई है। सरकाघाट महाविद्यालय का खेल मैदान अभी तक भी कृषि विभाग का खेत ही नजर आता है। भवन निर्माण उन्नत प्रौद्योगिकी के कारण कहीं भी बन सकता है, तो फिर मैदान के लिए दुर्लभ समतल जगह को क्यों बरबाद किया जा रहा है। हर शिक्षा संस्थान को अपना खेल मैदान चाहिए, जहां सब विद्यार्थियों की फिटनेस हो सके। अगर शिक्षा संस्थान परिसर में मैदान ही नहीं होगा, तो फिर पहाड़ की संतान को स्वास्थ्य व खेल क्षेत्र में पिछड़ने का दंश झेलना ही पड़ेगा। इसलिए खेल मैदानों की बर्बादी को अभी से रोकना होगा, तभी हम अपनी आने वाली पीढियों से न्याय कर सकेंगे।

आप का नजरीया

पर्यटन में हारते गोवा से सीखें

वर्षान्त पर्यटन की मंजिल पर नए साल के हस्ताक्षर और रोमांच के उन्माद तक पहुंचा सैलाब कुछ हर्षित रहा और कुछ चिंताएं दे गया। क्या सेलिब्रेशन का यह उत्साह हमारी उम्मीदें भर गया या जो भीड़ हमने जश्न में उतरी देखी, वह हिमाचली पर्यटन की तकदीर है या नजीर बन गई। हिमाचल कहने को क्रिसमस से नए साल तक इस कद्र चला कि वाहनों के काफिलों ने सडक़ों की चौड़ाई, पर्वत की सफाई और पार्किंग की मुंह दिखाई कमजोर कर दी। क्या ये सारे वाहन और वाहन सवार पर्यटक मान लिए जाएं या इस चढ़ाव के उतार की चेतावनी को पहचानें। यह इसलिए कि हमारे सामने गोवा का उदाहरण है, जहां पर्यटन की अति ने अब ऐसा सबक दिया कि पर्यटक मुंह मोडऩे लगे हैं। पिछले कुछ सालों से जिन वजहों से पर्यटक घटे हैं, वे हिमाचल में भी रेखांकित होने लगे हैं। गोवा में पर्यटन की अति ने इसका चरित्र इतना बिगाड़ दिया कि सैलानी शांति और प्रकृति से रू-ब-रू होने के बजाय, बिगड़ते समाज की मेहमाननवाजी से भी डरने लगे। कमोबेश यह परिदृश्य अब हिमाचल के हर पर्यटन डेस्टिनेशन में उभरने लगा है, जहां पिछले दो दशकों में हमने अपनी दृश्यावलियों को कंक्रीट में बदल दिया। कालका से शिमला तक, पठानकोट से मंडी और भुंतर से मनाली तक हमारे पास कितनी प्रकृति बची, कितनी प्रवृत्ति बची। इतना ही नहीं हमने चर्चित पर्यटक स्थलों की कैरिंग कैपस्टी से कहीं अधिक बोझ उठाते हुए मनाली के पास कई मनाली, मकलोडगंज के पास कई मकलोडगंज और शिमला के पास कई शिमला बनाते-बनाते होटल इंडस्ट्री के ताबूत खड़े कर दिए हैं। इतना ही नहीं, पर्यटक स्थलों के बेतरतीब शहरीकरण ने हिल स्टेशन के चरित्र का बेहद नुकसान ही नहीं किया, बल्कि इसकी सौम्यता छीन ली। हैरानी यह कि हिमाचल अपने होटल उद्योग के लिए पर्यटन को गुम कर रहा है और पर्यटन व्यवसाय के लिए स्थानीय समाज की विनम्रता को भी नष्ट कर रहा है। पर्यटन को सीजन मान कर हमने सामाजिक व्यवहार को तत्कालिक लाभ का किरदार बना दिया। आज जो असली, क्षमतावान या प्रभावशाली पर्यटक है, वह विदेश की फ्लाइट पकड़ रहा है। यह इसलिए कि पर्यटक सीजन की बढ़ती मारा मारी ने सैलानियों का सुकून ही नहीं 'एकांत' भी छीन लिया। इतना ही नहीं नई मंजिलें, नई राहों का नजारा बीड़-बिलिंग जैसे कस्बों को विकसित होने से पूर्व ही अति दोहन के कारण बूढ़ा बना चुका है। बीड़ से बिलिंग, मनाली से अटल टनल, धर्मशाला से मकलोडगंज या बनीखेत से डलहौजी के ट्रैफिक जाम की कहानी में पर्यटन का स्वरूप वीभत्स लगता है। बेशक कश्मीर समस्या ने हिमाचल को पर्यटन के रास्ते पर खड़ा कर दिया, लेकिन क्या हम कश्मीर, उत्तराखंड या राजस्थान पर्यटन का पर्याय बन पाए। कोशिश करें, तो भाखड़ा बांध के साथ कोटधार या साथ लगते ऊना के क्षेत्रों को गोवा की तर्ज पर विकसित कर देते। अगर गोवा के प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है, तो हम हिमाचल में कब तक अटल टनल से हजारों वाहन गुजार कर लाहुल घाटी को बचा लेंगे।

पंजाब में करोड़ों की हेरोइन समेत 12 गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने सीमा पार से चलाए जा रहे नशा और हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य सरगना भी शामिल है। उसकी पहचान मनजीत सिंह उर्फ भोला निवासी गांव झंझोटी, अजनाला के रूप में हुई है। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को दी। डीजीपी ने बताया कि गिरफ्तार अन्य 11 आरोपियों की पहचान अनिकेत वर्मा निवासी छेहरटा, जोबनप्रीत सिंह उर्फ जोबन निवासी छेहरटा, बबली निवासी नारायणगढ़ छेहरटा, हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी निवासी गुरु की वडाली, अमृतपाल सिंह उर्फ अंश निवासी नारायणगढ़ छेहरटा, रेशमा निवासी करतार नगर छेहरटा, हर्षप्रीत सिंह उर्फ हरमन उर्फ हम्मा निवासी गांव ठंडा अमृतसर, मनदीप सिंह उर्फ कौशल उर्फ जोशी निवासी गांव फतेहपुर अमृतसर, गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी, लवप्रीत सिंह उर्फ जशन निवासीगण गांव फतेहपुर और आकाशदीप सिंह उर्फ अर्श निवासी छेहरटा के रूप में हुई हैं। आरोपियों के कब्जे से 2.19 किलो हेरोइन, तीन अत्याधुनिक पिस्तौल (जिनमें दो ऑटोमैटिक पिस्तौल शामिल हैं), 2.60 लाख रुपए की ड्रग मनी और एक टोयोटा फॉर्च्यूनर गाड़ी भी बरामद की है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरोह का सरगना मनजीत उर्फ भोला पाकिस्तान स्थित तस्करों एवं हैंडलर्स के साथ सीधा संपर्क में था और सीमा पार से ड्रोन के जरिए नशा और हथियारों की खेप मंगवाता था। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला है कि ड्रोन की मदद से रमदास और अजनाला बॉर्डर सेक्टरों पर खेप गिराई जाती थी। अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि आरोपी अनिकेत के नशा तस्करी के कारोबार में शामिल होने की पुख्ता जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने उसे पकड़ने में सफलता हासिल की। उन्होंने बताया कि अनिकेत की गिरफ्तारी ने पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया और मुख्य सरगना मनजीत उर्फ भोला और उसके सभी साथियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि इन आरोपियों में पांच को जम्मू-कश्मीर पुलिस की मदद से जम्मू-कश्मीर से गिरफ्तार किया गया है। सीपी ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार आंगनवाड़ी वर्कर बबली के घर को मुख्य सरगना मनजीत उर्फ भोला खेप छिपाने के लिए उपयोग करता था और नशे की खेप को आगे वितरित करने में अपने साथियों की मदद लेता था। पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच जारी है और आने वाले दिनों में इस नेटवर्क से जुड़े और लोगों गिरफ्तारियां और बरामदगी संभव है।

पिछली सरकार ने राजनीतिक लाभ के लिए नए जिले बनाने पर जल्दबाजी में लिया फैसला : दिलावर

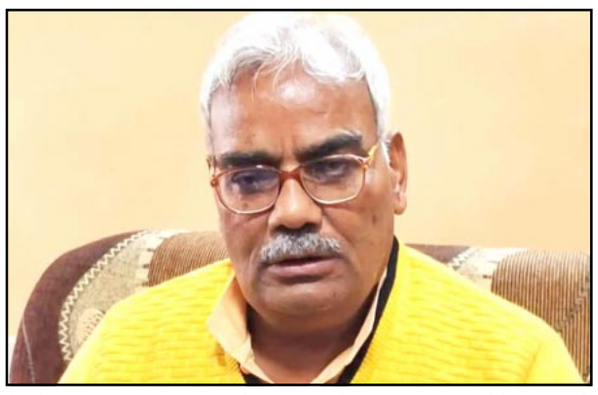

जयपुर (हिंस)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा उलूल-जुलूल बयान देते रहते हैं। इनकी सरकार में जब जिले बनाने की चर्चा आई तो अपना दिमाग नहीं लगाया। ना किसी एक्सपर्ट से राय ली। केवल राजनीतिक लाभ लेने के लिए उन्होंने एक-एक विधानसभा क्षेत्र का भी जिला बना दिया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्सपर्ट से राय ली और कमेटी बनाई, फिर मंत्रीमण्डलीय उपसमिति बनाई, सबसे विचार-विमर्श करने के बाद जो सलाह आई, उसके आधार पर नए जिलों पर फैसला लिया गया। जो कि पूर्ण रूप से सही है। कांग्रेस यह फैसला पचा नहीं पा रही है। इसलिए ज्यादा उछल-कूद कर रही है। उपचुनाव में कांग्रेस को सिर्फ एक सीट मिली है। इसलिए बेचारे उलूल-जुलूल बयानबाजी कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के काम और फैसले लेने की स्पीड से कांग्रेस घबराई हुई है। उनको लग रहा है कि आगामी 100 साल तक तो शायद कांग्रेस वापस नहीं आ पाएगी और इसलिए जिस प्रकार से मछली को पानी के बाहर निकाल देते है और वो तड़पती रहती है। उसी प्रकार से डोटासरा तड़प रहे हैं। उन्होंने कहा कि डोटासरा तड़प रहे हैं कि कैसे माल खाएं, कैसे भ्रष्टाचार करें, कैसे लूटपाट करें। अब इनसे कुछ हो ही नहीं रहा है इसलिए बालक कि तरह मचल रहे हैं।

रोडवेज कर्मचारी संगठनों ने पंजाब में तीन दिन बस सेवा बंद करने का किया एलान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में रोडवेज कर्मचारियों ने तीन दिन के लिए चक्का जाम करने का एलान किया है। कर्मचारियों के इस निर्णय से राज्य में छह जनवरी सोमवार से तीन दिन बसें नहीं चलेंगी। पीआरटीसी व पनबस कर्मचारी यूनियन ने छह जनवरी से आठ जनवरी तक बसें ना चलाकर चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने का एलान किया है। कर्मचारियों की हड़ताल से सरकारी बसों में सफर करने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रही पनबस और पीआरटीसी ठेका कर्मचारी यूनियन ने पिछले महीने 2024 में पंजाब भर के मंत्रियों को ज्ञापन सौंपकर ठेका कर्मचारियों को नियमित करने की मांग को प्रमुखता से उठाया था। कर्मचारी नेता बिक्रमजीत सिंह, सतपाल सिंह सत्ता, जसबीर सिंह, वरिष्ठ नेता चानन सिंह चन्ना आदि ने कहा कि यूनियन पदाधिकारी पहले ही कैबिनेट मंत्री महेंद्र भगत को अपनी मांगों से अवगत करा चुके हैं लेकिन इस मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

विकास कार्यों को समय से करें पूरा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न विकास कार्यों के माध्यम से अंत्योदय के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन विकास कार्यों को पूरा करने की टाइमलाइन निर्धारित कर इन्हें समय से पूरा जाए। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। समीक्षा बैठक के दौरान ऊर्जा विभाग, पीडब्ल्यूडी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, राजस्व, पीएचईडी, स्वायत्त शासन, जल संसाधन एवं नगरीय विकास विभाग से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी विभागों को आपस में समन्वय बना कर कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभाग अपने प्रोजेक्ट्स की नियमित मॉनिटरिंग करें ताकि आमजन को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को प्रतापनगर में 132 केवी जीएसएस का निर्माण तथा विद्युत लाइनों को भूमिगत करने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी एवं एनएचएआई आपस में समन्वय बनाते हुए भांकरोटा फ्लाईओवर को शीघ्र पूरा करें जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके। उन्होंने पीडब्ल्यूडी को 200 फीट चौराहे पर बनने वाले फ्लाईओवर, अंडरपास एवं बीलवा फ्लाईओवर के गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रीको पुलिया से रेलवे फाटक मालपुरा तक सड़क चौड़ाईकरण का कार्य शीघ्र पूरा करें जिससे यातायत सुगम हो। शर्मा ने कहा कि पृथ्वीराज नगर परियोजना के अंतर्गत अभियान चलाकर जल कनेक्शन के लंबित आवेदनों को समयबद्ध निस्तारित करें। उन्होंने अमृत 2.0 के अंतर्गत जयपुर नगर निगम क्षेत्र में पेयजल वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण एवं सुधार कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पेयजल कनेक्शन प्राप्त करने की प्रक्रिया का सरलीकरण हो जिससे आमजन को सुगमता से कनेक्शन मिल सके। उन्होंने कहा कि सांगानेर स्टेडियम का विकास एवं सौंदर्यीकरण एवं सिटी बस स्टैंड सर्किल पर कियोस्क हटाकर सुलभ शौचालय बनाने का कार्य समय से पूरा किया जाए। पुराने नियमों में वर्तमान आवश्यकता एवं परिस्थितियों के अनुसार संशोधन किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित विभाग सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के सभी विकास कार्यों को इंगित करते हुए कार्ययोजना तैयार करें। जिसमें सड़क, अस्पताल, सीवरेज लाइन तथा विकसित होने वाली अन्य जन-सुविधाएं दर्शाई गई हों। जिससे कार्यों की समीक्षा आसानी से त्वरित की जा सके। उन्होंने कहा कि सांगानेर में पुरातत्व महत्व के दरवाजों के आसपास अतिक्रमण को हटाया जाए तथा इनके सौन्दर्यीकरण कार्य परकोटे के दरवाजों के अनुरूप किए जाएं। साथ ही, इनकी बुकलेट बनाकर भी प्रकाशित करें। शर्मा ने कहा कि जयपुर की बढ़ती आबादी के चलते एक उचित नगरीय प्लानिंग करें, जिससे बढ़ते संसाधनों के दबाव का समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि नगरीय विकास विभाग अपने सभी विकास कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करें। पृथ्वीराज नगर में समुचित ड्रेनेज एवं सीवरेज कार्य, तथा द्रव्यवती नदी के आसपास भू-जल स्तर को ब?ाने हेतु अण्डर वाटर रिचार्ज की सुविधा वाले स्थानों से मलबा हटवाने व मरम्मत का कार्य भी शीघ्र किया जाए। बैठक में सांगानेर क्षेत्र में जिला अस्पताल, नवीन रेलवे स्टेशन के विकास कार्य, विभिन्न सड़क निर्माण, मुहाना मोड पर ओवरब्रिज, खुली जेल को अन्यत्र स्थानांतरित करने, गुलर बांध की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार सहित विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव पीएचईडी भास्कर सावंत, प्रमुख शासन सचिव राजस्व दिनेश कुमार, प्रमुख शासन सचिव स्वायत्त शासन राजेश यादव, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन वैभव गालरिया, जेडीए एवं नगर निगम, आवासन मण्डल, जयपुर जिला प्रशासन सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

लॉरेंस बिश्नोई का इंटरव्यू करवाने वाले डीएसपी गुरशेर सिंह बर्खास्त

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर लॉरेंस बिश्नोई का जेल में इंटरव्यू करवाने के मामले में डीएसपी गुरशेर सिंह को नौकरी से बर्खास्त करने का आदेश जारी कर दिया। राज्य सरकार के गृह मंत्रालय ने गुरुवार की रात यह आदेश जारी किया। दरअसल, पंजाब में लोक गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद पंजाब पुलिस लॉरेंस बिश्नोई को रिमांड पर लेकर आई थी। रिमांड की अवधि के दौरान खरड़ में एक टीवी चैनल ने लॉरेंस बिश्नोई का इंटरव्यू किया गया था। यह इंटरव्यू करवाने का आरोप डीएसपी गुरशेर सिंह पर लगा था। लंबी जांच व हाई कोर्ट के आदेशों के बाद पंजाब सरकार ने करीब दो माह पहले लोक सेवा आयोग को गुरशेर सिंह की बर्खास्गी के लिए सिफारिश की थी। बाद में लोक सेवा आयोग की स्वीकृति मिलने के बाद गृह विभाग पंजाब ने गुरुवार की रात गुरशेर सिंह को नौकरी से बर्खास्त करने का आदेश जारी दिया।

सीएम योगी का सटीक निशाना पहली ही बार *बुल्स आई*

गोरखपुर (हिंस)। गोरखपुर के भाटी विहार कॉलोनी में नवनिर्मित मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके शूटिंग रेंज में राइफल से लक्ष्य पर निशाना भी साधा। उनकी सटीक निशानेबाजी देख साथ में मौजूद लोग हतप्रभ रह गए। मुख्यमंत्री ने पहली ही बार में *बुल्स आई* टारगेट कर दिया, यानी सौ फीसद सटीक लक्ष्य पर ही निशाना। मुख्यमंत्री की खेलों के प्रति खासी दिलचस्पी है। इसमें भी पारंपरिक भारतीय खेलों के साथ निशानेबाजी से उनका लगाव कई बार सार्वजनिक देखा जाता है। जब भी वह सैन्य प्रदर्शनियों और खेल एकेडमी या खेल केंद्रों में जाते हैं तो निशानेबाजी के अभ्यास से खुद को नहीं रोक पाते। शुक्रवार को गोरखपुर के भाटी विहार कॉलोनी में मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री जब मल्टीपर्पज हाल में बने शूटिंग रेंज में आए तो उन्होंने दस मीटर रायफल शूटिंग के रेंज पर निशानेबाजी में हाथ आजमाया। उनका पहला शॉट ही बुल्स आई रहा। उनके सटीक निशाने पर वहां मौजूद सभी लोग आश्चर्य चकित होकर मुस्कराने लगे।

आओ-चलें प्रयागराज महाकुंभ के लिए बांटे पीले चावल

जयपुर (हिंस)। आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में आओ चले प्रयागराज महाकुंभ चले महाअभियान के आह्वान के लिए ठाकुरजी की पूजा-अर्चना के बाद भक्तों को पीले चावल देकर प्रयागराज कुंभ आने का निमंत्रण दिया गया। संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ने बताया कि हिंदू धर्म में कुंभ मेले का बड़ा महत्व है और ये ये दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। महाकुंभ मेले का आयोजन प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 जनवरी तक आयोजित होगा। जिसमें पांच शाही स्नान होंगे। प्रयागराज महाकुंभ में होने वाले पांचों शाही स्नान जिसमें मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, महा पूर्णिमा, महाशिवरात्रि शामिल है। यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में स्नान करने से पापों का नाश होता है और आत्मा की शुद्धि होती है। प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचने के लिए गोविंद देवजी मंदिर में शुक्रवार को एक हजार से अधिक श्रद्धालुओं के पीले चावल देकर महाकुंभ पहुंचने का निमंत्रण दिया गया। बताया जा रहा है कि इस बार महाकुंभ में 25 करोड़ श्रद्धालु एकत्रित होंगे प्रयागराज महाकुंभ में होने वाले ये सभी धार्मिक कार्यक्रम संस्कृति युवा संस्था की ओर से आयोजित किए जा रहे है। जिसमें 1 हजार श्रद्धालुओं को रुकने के लिए उचित स्थान की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए प्रयागराज के सेक्टर -7 और 8 में स्थान चिन्हित किए जा रहे है। सर्दी के मौसम में किसी भी श्रद्धालुओं को कोई परेशानी ना हो इसके लिए रजाई गद्दे की भी व्यवस्था की जा रही है। प्रयागराज महाकुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालु को अपने आधार कार्ड से रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके लिए एक लिंक बनाया जा रहा है। जिसे सोमवार 6 जनवरी को जारी कर दिया जाएंगा। प्रयागराज महाकुंभ में संस्था के कार्यकर्ता रहेंग जो जयपुर से आने वाले श्रद्धालुओं के रहने और भोजन की व्यवस्था करेंगे। सुरेश मिश्रा ने बताया कि आओ चले प्रयागराज महाकुंभ चले महाअभियान में 100 से अधिक धार्मिक, सामाजिक और व्यापारिक संगठनों को इस अभियान से जोड़ा जा चुका है। इसी के साथ महाकुंभ मेले में 1 लाख कपड़े के बैग का वितरण किया जाएगा। नारी सशक्तीकरण के अंतर्गत सभी शाही स्नान में संगम घाट पर महिलाएं संध्या काल में विशेष आरती करेंगी और प्रदेश के सभी मंदिरों में महाकुंभ चले ध्वज पताकाएं लगाई जाएगी।

हिसार में बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा खंडित, तनाव

पंचायत व खंड अधिकारी की शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया केस

हिसार (हिंस)। जिले के अग्रोहा थाना क्षेत्र के गांव कालीरावण में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा खंडित किए जाने का मामला सामने आया है। पंचायत की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि कालीरावण गांव में असामाजिक तत्वों ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को खंडित कर दिया है। मामला सामने आने के बाद ग्राम पंचायत ने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को लिखित में शिकायत भेजी और अग्रोहा के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी की शिकायत पर अग्रोहा पुलिस ने केस दर्ज किया है। शिकायत में अधिकारी ने बताया कि ग्राम पंचायत गांव कालीरावण ने एक प्रस्ताव पास करके उनके पास भेजा गया है। इसमें ग्राम पंचायत ने दो जनवरी को लिखित में बताया कि गांव बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की एक प्रतिमा लगी हुई है। रात को किसी असामाजिक तत्वों ने इस प्रतिमा को खंडित कर दिया जो निंदनीय है और इससे ग्रामीणों ने गहरा रोष बना हुआ है। पंचायत ने मांग उठाई है कि इस पूरे मामले की जांच की जाए और बाबा डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को खंडित करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। अभी किसी का पता नहीं लग पाया है।

निजी कोचिंग संस्थान में मिली भारी अनियमितताएं

जोधपुर (हिंस)। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने वाले निजी कोचिंग सेंटर्स पर शुक्रवार को दूसरे दिन भी आयकर विभाग की छापेमारी जारी रही। यह कार्रवाई गुरुवार सुबह से चल रही है। आज जोधपुर के 14 और जयपुर, प्रयागराज और इंदौर के एक-एक ठिकानों पर आयकर सर्वे चल रहा है। अब तक के सर्वे में टीम को बच्चों की फीस और किस कोर्स में कितने स्टूडेंट है, इनका रिकॉर्ड नहीं मिला है। टीम की ओर से डिजिटल सबूत के तौर पर यहां मिले रिकॉर्ड की क्लोनिंग भी की है। आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा की महानिदेशक रेणू अमिताभ और निदेशक अवधेश कुमार के निर्देशन और अतिरिक्त निदेशक डॉ. संग्राम रमेश जगदाले के नेतृत्व में विभाग की डेढ़ दर्जन टीमों ने तीन राज्यों में 19 ठिकानों पर गुरुवार को छापे मारे थे।

केसरिया छटा बिखेरते हुई निकली श्रीमद् भागवत कथा की कलश यात्रा

हरदोई (हिंस)। स्वास्तिक ज्ञानोदय विद्यालय में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ से पूर्व शुक्रवार को प्रात: 11 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा का शुभारंभ कस्बे के प्रसिद्ध शिव मंदिर भूरेश्वर महादेव मंदिर से हुआ। चंद्रनाथ शुक्ला ने मंगल कलश का पूजन किया। भागवताचार्य कथा व्यास हितेश महाराज ने मंत्रोच्चारण कर माहौल भक्ति मय कर दिया। कथा वाचक पंडित हितेश जी महाराज के मंत्र उच्चारण व विधिवत पूजा अर्चना के बाद मंदिर प्रांगण में 251 कलश में अमृत जल भरा गया। इन कलशों को पीत- परिधानों में सजी महिलाओं ने सिर पर धारण किया, जिसके बाद यात्रा रवाना हुई। भागवत कथा की पावन पोथी को सिर पर धारण कर श्रद्धालु यात्रा में आगे आगे चल रहे थे। भागवत कथा आज से प्रारंभ होगी जो कि 10जनवरी को भागवत कथा के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन होगा, इसमें हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। ब्लॉक प्रमुख कुशी बाजपेई, तुषार बाजपेई, अंकुर बाजपेई, नवनीत वाजपेई, पियूष शुक्ला, पंकज शुक्ला, अंबुज शुक्ला, चंद्रनाथ शुक्ला, नीरज शुक्ला, अशोक शुक्ला, आनंद शुक्ला, पूर्व जिला पंचायत सदस्य दिलीप मिश्रा, प्रधान बबलू लूंगी, विजया अवस्थी, अशोक अवस्थी आदि लोग कलश यात्रा की व्यवस्था देखी। सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त निरीक्षक संजय त्यागी पुलिस बल के साथ कलश यात्रा के साथ मौजूद रहे।

यूपी में 46 आईएएस अफसरों का तबादला

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेर बदल हुआ है। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने गुरुवार की देर रात 46 आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया है। गृह विभाग की जिम्मेदारी फिर से आईएएस अफसर संजय प्रसाद को सौंपी गई है। दीपक कुमार अपर मुख्य सचिव गृह, वीजा, पासपोर्ट, सतर्कता विभाग उत्तर प्रदेश शासन के प्रभार से अवमुक्त करते हुए प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश शासन के पद का अतिरिक्त प्रभार प्रदान किया गया। एल वेंकटेश्वर लू को वर्तमान पद के साथ प्रमुख सचिव समाज कल्याण तथा सैनिक कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश शासन-जनजाति विकास उत्तर प्रदेश प्रबंध निदेशक यूपी सिडको निदेशक अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा-छत्रपति शाहूजी महाराज शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान उत्तर प्रदेश के पद का अतिरिक्त प्रभार प्रदान किया गया। राजेश कुमार सिंह-प्रथम को प्रमुख सचिव होमगार्ड बनाया गया। बीएल मीणा को प्रमुख सचिव होम गार्ड के प्रभार से मुक्त किया गया। वह प्रमुख सचिव उद्यान रेशम खाद्य प्रसंस्करण पता होमगार्ड विभाग के प्रमुख सचिव बने रहेंगे। आलोक कुमार द्वितीय प्रमुख सचिव हथकरघा एवं वस्त्रोंद्योग खादी एवं ग्रामोद्योग, सार्वजनिक उद्यम, प्राविधिक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग उत्तर प्रदेश शासन तथा महानिदेशक सार्वजनिक उद्यम उत्तर प्रदेश के प्रभाव से मुक्त करते हुए प्रमुख सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग उत्तर प्रदेश शासन के पद का अतिरिक्त प्रभार प्रदान किया गया। नरेंद्र भूषण प्रमुख सचिव पंचायतीराज विभाग उत्तर प्रदेश शासन के प्रभाव से अवमुक्त करते हुए प्रमुख सचिव प्रबुद्ध शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश शासन के पद का प्रभार प्रदान किया गया।

बीपीएससी परीक्षा को रद्द कराने की मांग को लेकर छात्र युवा शक्ति ने एनएच जाम कर कराया विरोध दर्ज

सहरसा (हिंस)। बीपीएससी 70वीं परीक्षा को रद्द कराने की अभ्यर्थियों की मांग को लेकर छात्र युवा शक्ति सहरसा के कार्यकताओं ने एनएच -107 शांतिपूर्ण तरीके से जाम कर विरोध दर्ज कराया। जाप के पूर्व जिलाध्यक्ष रंजन यादव ने कहा हमारा सपष्ट मानना है कि बीपीएससी का री एग्जाम हो। बीपीएससी छात्रों के लिए लाठी गोली खाने की तैयार हूं। सदन से सड़क तक हमारे नेता पप्पू यादव बीपीएससी छात्रों की लड़ाई लड़ रहा है। बीपीएससी री एग्जाम को लेकर में सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे। हमलोग का मांग है बिहार से पेपर लीक को खत्म करना है। बच्चों के भविष्य के लिए युवा शक्ति और पप्पू यादव लड़ाई लड़ते रहेंगे। ज्ञात हो कि पूर्णिया सांसद राजेश रंजन और पप्पू यादव के द्वारा बीएससी छात्रों के समर्थन में बिहार बैंड का आह्वान किया गया था जिसके तहत संपूर्ण बिहार में छात्रों द्वारा सड़क जामकर बिहार बंद का समर्थन किया गया। मौके पर जिला छात्रा जाप के नेतृत्व में शहर के बैजनाथपुर चौक पर सड़क जामकर कार्यकर्ताओं ने छात्रों के हित में आवाज उठाएं वही राज्य सरकार से मांग की गई कि छात्रों के हित में उच्च स्तरीय जांच का दोषी लोगों के विरुद्ध अधिकारी की मांग की गई। इस अवसर पर युवा शक्ति जिलाध्यक्ष कपिल देव सहित अन्य मौजूद रहें।

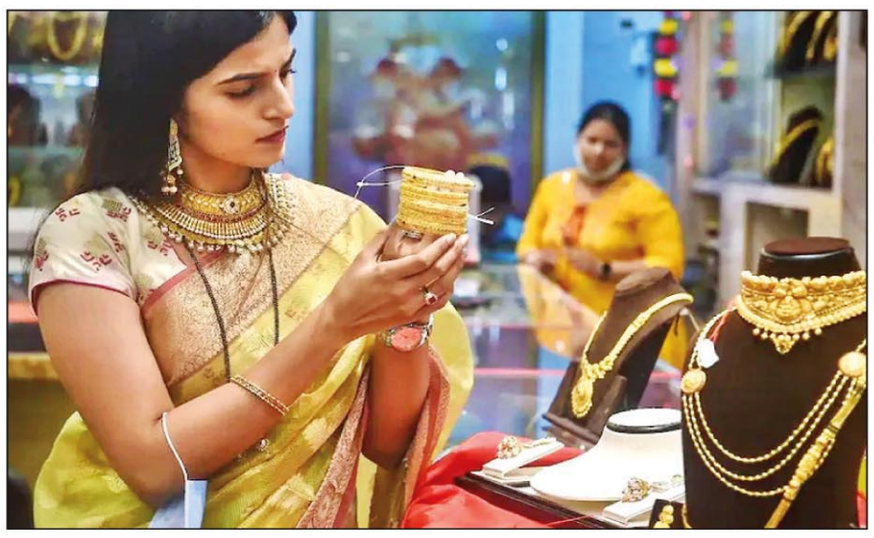

नए साल में लगातार दूसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में नए साल पर लगातार दूसरे दिन सोना महंगा हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में 300 रुपये से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम की उछाल दर्ज की गई है। सोने के भाव में आई तेजी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,480 रुपये से लेकर 78,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,950 रुपये से लेकर 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत लगातार दूसरे दिन 90,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,330 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है।

न्यूज ब्रीफ

इस साल उत्तरी मुंबई लोकसभा क्षेत्र के विकास में कई महत्वपूर्ण पहलों पर देना होगा जोर:गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि उनके लोकसभा क्षेत्र के विकास में इस साल कई महत्वपूर्ण पहलों पर काम होगा। उन्होंने झुग्गी-झोपड़ियों का पुनर्विकास, सड़क और रेलवे लाइनों का विस्तार जैसी मुख्य परियोजनाओं को लेकर मीडिया से चर्चा की। उन्होंने बयान किया कि इस साल उनके निर्वाचन क्षेत्र में कई बड़ी योजनाएं हैं, जिनमें झुग्गी-झोपड़ियों को पक्के मकान में बदलना भी शामिल है। गोयल ने बताया कि तेजी से लंबित परियोजनाओं का पुनरीक्षण करने के लिए वह मुंबई में सभी संबंधित विभागों के प्रमुखों से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि चार जनवरी को उनके द्वारा लिए गए कदमों की समीक्षा की जाएगी और लंबित मुद्दों के लिए समयबद्ध कार्य योजना तैयार की जाएगी। मंत्री ने कहि कि हम चाहते हैं कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को उसी स्थान पर पक्के मकान उपलब्ध करा सकें। हमारा लक्ष्य है जीवन को सुगम बनाने के लिए रेलवे स्टेशनों का विकास करना है। उन्होंने भी बताया कि उनके क्षेत्र में चार रेलवे स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत होने वाली है। मंत्री ने व्यक्त किया कि उन्हें पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विचार करने का भी मौका मिला है, क्योंकि उनके क्षेत्र में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान और खूबसूरत समुद्र है।

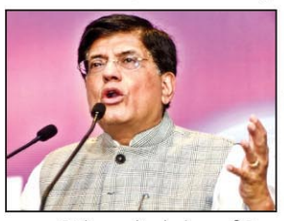

इस साल मई-जून तक आ सकता है ईपीएफओ का मोबाइल ऐप्लिकेशन और डेबिट कार्ड

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि ईपीएफओ के सब्सक्राइबर्स को इस साल मई-जून तक ईपीएफओ का मोबाइल ऐप्लिकेशन और डेबिट कार्ड की सुविधा मिल सकती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अभी ईपीएफओ 2.0 पर काम चल रहा है और पूरे आईटी सिस्टम को अपग्रेड किया जा रहा है, जनवरी के आखिरी तक यह काम पूरा हो जाएगा। इसके बाद मई-जून तक ईपीएफओ 3.0 ऐप आएगा। इस ऐप के जरिए ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स को बैंकिंग सुविधाएं मिलेंगी। हालांकि, ऐसा नहीं है कि एटीएम कार्ड मिलने पर सब्सक्राइबर अपने अंशदान का पूरा पैसा निकाल सकेंगे, क्योंकि इसके लिए एक लिमिट तय की जा सकती है। अच्छी बात है कि इस राशि को निकालने के लिए पहले की तरह ईपीएफओ की अनुमति लेने की जरूरत नहीं होगी। सरकार की इस पहल से ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स को बड़ा फायदा होगा क्योंकि उन्हें पैसे निकालने के लिए फार्म भरने के झंझट से मुक्ति मिलेगी और न ही ऑफिस के चक्कर लगाने होंगे। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने बताया कि मोदी सरकार के 2014-24 के कार्यकाल के बीच 17.19 करोड़ नौकरियां लोगों को मिली। यह आंकड़ा यूपीए सरकार के कार्यकाल की तुलना में करीब 6 गुना ज्यादा की वृद्धि दिखाता है।

चीन में रियल एस्टेट संकट से लड़खड़ाई दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

मुंबई। चीन तेज आर्थिक विकास के मामले में हमेशा आगे रहा है लेकिन अब उसे गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अपने इतिहास के सबसे बड़े रियल एस्टेट के संकट से जूझ रही है। चीन के संपत्ति बाजार में पिछले तीन वर्षों में भारी गिरावट देखी गई है। 2021 से अब तक 18 ट्रिलियन डॉलर का अनुमानित घरेलू संपत्ति का नुकसान हुआ है, जो 2008-09 के वैश्विक वित्तीय संकट में अमेरिका द्वारा झेले गए नुकसानों से भी अधिक है। चीन की अर्थव्यवस्था पर वर्षों की अधिक कर्जदारी, अधिक निर्माण और अधिक उत्पादन क्षमता का बोझ है। ये समस्याएं घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर गंभीर परिणाम पैदा कर रही हैं। कई रियल एस्टेट कंपनियों पर भारी कर्ज है और संपत्तियों की मांग में कमी ने इस संकट को और बढ़ा दिया। चीन के कई हिस्सों में घोस्ट टाउन यानी खाली पड़े शहर निर्माण का उदाहरण हैं। वहीं औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन क्षमता वास्तविक मांग से कहीं अधिक है, जिससे कीमतों और आर्थिक स्थिरता पर असर पड़ा है।

शेयर बाजार की तेजी पर ब्रेक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

निवेशकों को 1 दिन में 80 हजार करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली

नए साल के पहले 2 दिन के दौरान बने तेजी के माहौल पर शुक्रवार को ब्रेक लग गया। के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई, लेकिन बाजार खुलने के बाद पूरे दिन बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरावट का शिकार हो गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.90 प्रतिशत और निफ्टी 0.76 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, पीएसई और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर आईटी, बैंकिंग और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके साथ ही ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आमतौर पर दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 80 हजार करोड़ रुपये की कमी बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में

लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 449.67 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 450.47 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 80 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,103 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,117 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,866 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 120 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,508 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,295 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,213 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 129.28 अंक की मजबूती के साथ 80,072.99 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक गिरकर लाल निशान में पहुंच गया। सुबह 11 बजे के बाद कुछ देर के लिए खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होता हुआ नजर आया, लेकिन ये तेजी अधिक देर तक नहीं टिकी। दोपहर 12 बजे के बाद बिकवाली का दबाव एक बार फिर बढ़ गया, जिसके कारण ये सूचकांक नीचे गिरता चला गया। का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 963.26 अंक लुढ़क कर 833.98 अंक की कमजोरी के साथ 79,109.73 अंक तक गिर गया। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 110 अंक से अधिक की रिकवरी करके 720.60 अंक की गिरावट के साथ 79,223.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 7.75 अंक की मामूली तेजी के साथ 24,196.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक लाल निशान में गिर गया। 11 बजे तक बिकवाली के दबाव का सामना करने के बाद खरीदारों ने कुछ देर के लिए लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी की, लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद बिकवाल एक बार फिर बाजार पर हावी हो गए। लगातार हो रही बिकवाली के कारण शाम 3 बजे तक ये सूचकांक 212.65 अंक लुढ़क कर 23,976 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 25 अंक से अधिक की रिकवरी करके 183.90 अंक की कमजोरी के साथ 24,004.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ओएनजीसी 5.21 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 3.31 प्रतिशत, टाइटन कंपनी 1.85 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.79 प्रतिशत और हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, विप्रो 3.08 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 2.48 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.17 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 2.16 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक 1.98 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

डीएपी पर अतिरिक्त सब्सिडी बढ़ाने से कंपनियों को होगा लाभः किसान संगठन

नई दिल्ली

अखिल भारतीय किसान सभा ने कहा कि डाइ-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) उर्वरक पर विशेष सब्सिडी बढ़ाने के केंद्र सरकार के फैसले से किसानों के हितों की रक्षा के बजाय कंपनियों का मुनाफा बढ़ेगा। किसान संगठन ने कहा कि अखिल भारतीय किसान सभा (एआईकेएस) का मानना है कि डाइ-अमोनियम फॉस्फेट पर विशेष सब्सिडी बढ़ाने के सरकार के फैसले से किसानों के हितों की रक्षा के बजाय कंपनियों का मुनाफा बढ़ेगा। एआईकेएस ने कहा कि नवंबर, 2012 से यूरिया की कीमत वैधानिक रूप से 266.50 रुपये प्रति 45 किलोग्राम बोरी तय की गई है, लेकिन म्यूरेट ऑफ पोटाश (एमओपी) की कीमतें 2009-10 में 4,455 रुपये प्रति टन से बढ़कर अगस्त, 2023 में 34,644 रुपये प्रति टन हो गई है। संगठन ने कहा कि डाइ-अमोनियम फॉस्फेट की कीमत 2009-10 में 9,350 रुपये से बढ़कर 2023 (अगस्त) में 27,000 रुपये प्रति टन हो गई। दूसरी ओर, पिछले तीन वर्षों में उर्वरक सब्सिडी में 87,339 करोड़ रुपये की भारी कटौती की गई है। बयान के अनुसार

डाइ-अमोनियम फॉस्फेट 2009-10 में 9,350 रुपये से बढ़कर 2023 अगस्त में 27,000 रुपये प्रति टन हुई

वित्त वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट में (वास्तविक) उर्वरक सब्सिडी 2,51,339 करोड़ रुपये थी। जबकि 2023-24 के बजट में (संशोधित) में इस मद में व्यय केवल 1,88,894 करोड़ रुपये था। यह 2022-23 के मुकाबले 62,445 करोड़ रुपये कम था। 2024-25 के बजट अनुमान में उर्वरक सब्सिडी 1,64,000 करोड़ रुपये है, यानी यह भी इससे पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 24,894 करोड़ कम है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने डीएपी उर्वरक को 1,350 रुपये प्रति बोरी के भाव पर किसानों तक पहुंचाने के लिए अतिरिक्त सब्सिडी को 31 दिसंबर, 2024 से आगे बढ़ाने का बुधवार को फैसला किया। इससे सरकारी खजाने पर 3,850 करोड़ रुपये तक का बोझ पड़ेगा।

धान खरीदी

धान खरीदी: समय पर भुगतान मिलने से खुश हैं किसान

ओएनडीसी पर अब तक सात लाख से अधिक विक्रेता और सेवा प्रदाता जुड़े

ओएनडीसी का उद्देश्य खुदरा ई-कॉमर्स के सभी पक्षों के लिए एक खुले मंच को बढ़ावा देना है

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कहा कि उसके ई-कॉमर्स मंच ओएनडीसी से अब तक सात लाख से अधिक विक्रेता और सेवा प्रदाता जुड़े चुके हैं। सरकार समर्थित पहल ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) की शुरुआत वर्ष 2021 में की गई थी। इसे मुख्य रूप से छोटे विक्रेताओं की डिजिटल कॉमर्स तक पहुंच आसान बनाने के लिए इसे स्थापित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ओएनडीसी ने छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने और ई-कॉमर्स में क्रांति लाने में योगदान दिया है। प्रधानमंत्री ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की एक पोस्ट पर अपनी टिप्पणी में कहा कि पिछले तीन वर्षों में इस मंच ने छोटे उद्यमों के लिए मुकाबले की समान परिस्थितियां बनाकर उन्हें सशक्त बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ओएनडीसी ने छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने

और ई-कॉमर्स में क्रांति लाने में योगदान दिया है। इस तरह यह वृद्धि और समृद्धि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि पिछले तीन वर्षों में इस मंच ने नेटवर्क पर छोटे उद्यमों के लिए समान अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें सशक्त बनाया है। ओएनडीसी का उद्देश्य खुदरा ई-कॉमर्स के सभी पक्षों के लिए एक खुले मंच को बढ़ावा देना है। यह छोटे खुदरा विक्रेताओं को ई-कॉमर्स से जोड़कर अपने व्यवसाय का विस्तार करने और इस क्षेत्र में दिग्गजों का वर्चस्व कम करने में मदद करता है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से अभी तक मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

टेस्ला और एप्पल जैसे बड़े टेक शेयरों में आई जोरदार गिरावट के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। इस दबाव की वजह से डाउ जॉन्स दिन के ऊपरी स्तर से करीब 500 अंक टूट कर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,868.55 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.21 प्रतिशत फिसल कर 19,271.14 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,410.69 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही।

एफटीएसई इंडेक्स 1.05 प्रतिशत उछल कर 8,260.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,393.76 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 115.52 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,024.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स में कारोबार नहीं हो रहा है। गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 143 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,154 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.46 प्रतिशत टूट कर 3,247.54 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 3,799.25 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, हैंग सेंग इंडेक्स 177.50 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,800.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 154.96 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,987.02 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 2.16 प्रतिशत उछल कर 2,450.77 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,383.01 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,175.88 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

अप्रैल-दिसंबर में निजी, वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 34 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर में निजी उपयोग वाली (कैप्टिव) और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 34.2 प्रतिशत बढ़कर 13 करोड़ 10.5 लाख टन हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में निजी उपयोग वाली और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन नौ करोड़ 76.65 लाख टन का हुआ था। कोयला मंत्रालय ने कहा कि दिसंबर में निजी उपयोग वाली और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन एक करोड़ 84 लाख टन का हुआ था। सरकार द्वारा जारी आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक (आधार वर्ष 2011-12) के अनुसार, कोयला क्षेत्र ने एक साल पहले 185.7 अंक की तुलना में नवंबर, 2024 में 7.5 प्रतिशत (अस्थायी) की वृद्धि के साथ 199.6 अंक दर्ज किए हैं। कोयला उद्योग का सूचकांक अप्रैल-नवंबर, 2024 के दौरान 172.9 अंक पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान यह 162.5 अंक था, जो सभी आठ प्रमुख उद्योगों में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

स्विएटेक ने पोलैंड को यूनाइटेड कप के सेमीफाइनल में पहुंचाया

सिडनी

विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्विएटेक ने तीन सेटों तक चले महिला एकल मैच में केटी बौल्टर को हराकर जीत दर्ज की, जिससे पोलैंड ने गुरुवार को ब्रिटेन को हराकर मिश्रित टीम यूनाइटेड कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

पोलैंड का सामना अब शनिवार को कजाकिस्तान से होगा, जिसमें स्विएटेक और 2022 विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना के बीच रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है।

स्विएटेक ने सिडनी में केन रोज़वेल एरिना में लगभग तीन घंटे तक चले मुकाबले में जीत हासिल की और 24वें स्थान पर रहीं बौल्टर के खिलाफ दर्द से उबरते हुए पोलैंड की क्वार्टरफाइनल जीत सुनिश्चित की।

पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्विएटेक ने 6-7 (4), 6-1, 6-4 से जीत हासिल करने के बाद अपना रैकेट फेंका और खुशी में अपने दोनों हाथ ऊपर उठाए। प्रतिबंधित पदार्थ ट्राइमेटाज़िडिन के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद एक महीने के निलंबन से वापसी करने वाली स्विएटेक की यह लगातार तीसरी टूर्नामेंट जीत थी।

बौल्टर से अपने करियर की पहली मुलाकात में, स्विएटेक ने पहले सेट में 3-0 की बढ़त हासिल कर ली, लेकिन बौल्टर ने हिम्मत नहीं हारी और बेसलाइन से स्विएटेक की जबरदस्त ताकत का मुकाबला किया।

बौल्टर ने टाईब्रेक में 74 मिनट का शानदार ओपनिंग सेट जीता, लेकिन वह अपनी तीव्रता बरकरार नहीं रख सकीं, क्योंकि स्विएटेक ने निर्णायक सेट के लिए नियंत्रण हासिल कर लिया।

हालांकि, तीसरे सेट की शुरुआत में ही स्विएटेक की सर्विस टूट गई और उन्हें मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा। वह अपने दाहिने पैर के ऊपरी हिस्से में पट्टियाँ बाँधकर लौटीं, लेकिन उनकी दृढ़ता सामने आई और उन्होंने आखिरकार बौल्टर की हिम्मत तोड़ दी।

इससे पहले, 16वीं रैंकिंग वाले ह्यूबर्ट हर्काज़ ने पुरुष एकल में बिली हैरिस पर 7-6 (3), 7-5 से जीत हासिल करके पोलैंड को शानदार शुरुआत दिलाई थी। भले ही वह अपने प्रतिद्वंद्वी से 109 स्थान ऊपर रैंक पर थे, लेकिन हर्काज़ के लिए चिंता का कारण यह था कि वह ग्रुप चरण में अपने दोनों एकल मैच हार गए थे। लेकिन 27 वर्षीय खिलाड़ी ने सर्विस पर दबदबा बनाए रखा और एक घंटे, 45 मिनट के मैच में दोनों सेटों में बड़े मौकों पर आगे बढ़कर जीत हासिल की।

पाक टीम जीतेगी चैंपियंस ट्रॉफी : शोएब अख्तर

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को भरोसा है कि अपनी मेजबानी में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में उनकी टीम खिताब जीतेगी। पाक में फरवरी-मार्च में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन किया जा रहा है। ये टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल से खेला जाएगा और इसमें भारतीय टीम के सभी मैच दुबई में खेले जाएंगे।चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से होगी। जबकि भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला 23 फरवरी को होगा। इसमें भी शोएब को अपनी टीम के जीतने की उम्मीदें हैं। अख्तर ने कहा कि, मुझे पूरा भरोसा है कि पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। पाकिस्तान शीर्ष 4 में जगह जरूर बनाएगा। उन्होंने ये भी कहा कि वह चाहते हैं कि फखर जमान को टीम में शामिल किया जाये।

न्यूज ब्रीफ

केकेएफआई ने खो-खो विश्व कप 2025 के लिए किया ट्रॉफी और मैस्कॉट का अनावरण

नई दिल्ली। भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) ने शुक्रवार को जनपथ स्थित इंपीरियल होटल में 13 से 19 जनवरी, 2025 के बीच होने वाले पहले खो-खो विश्व कप के लिए प्रतिष्ठित ट्रॉफी और मैस्कॉट का अनावरण किया। भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में छह महाद्वीपों के 24 देशों की 21 पुरुष और 20 महिला टीमें भाग लेंगी। विश्व कप में दो शानदार ट्रॉफी (पुरुषों की चैंपियनशिप के लिए एक नीली ट्रॉफी और महिलाओं के इवेंट के लिए एक हरी ट्रॉफी) होंगी। दोनों ट्रॉफियाँ अपने समकालीन डिज़ाइन के ज़रिए खो-खो की गतिशील भावना को दर्शाती हैं, जिसमें बहते हुए कर्व और सुनहरे रंग की आकृतियाँ उकेरी गई हैं। नीली ट्रॉफ़ी विश्वास, दृढ़ संकल्प और सार्वभौमिक अपील का प्रतीक है, जबकि हरी ट्रॉफ़ी विकास और जीवन शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। दोनों ही ट्रॉफ़ीज़ में जटिल क्रिस्टल डिटेलिंग है, जो प्रतियोगिता के उच्चतम स्तर पर अपेक्षित सटीकता और उत्कृष्टता का प्रतीक है। फ़ेडरेशन ने टूर्नामेंट के आधिकारिक मैस्कॉट के रूप में काम करने वाले हिरणों की एक गतिशील जोड़ी तेजस और तारा को भी गर्व से दुनिया के सामने पेश किया। ये मैस्कॉट गति, चपलता और टीम वर्क के खेल के मूल गुणों को दर्शाते हैं। तेजस, जो प्रतिभा और ऊर्जा का प्रतीक है और तारा, जो मार्गदर्शन और आकांक्षा का प्रतिनिधित्व करती है, को पारंपरिक भारतीय रूपांकनों से सजी जीवंत नीले और नारंगी रंग की खेल पोशाक में दर्शाया गया है, जो खेल की विरासत और इसके आधुनिक आकर्षण दोनों का जश्न मनाती है। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कह, हम अपने सभी स्टेकहोल्डर्स के बहुत आभारी हैं जो खो-खो विश्व कप 2025 के उद्घाटन संस्करण का सपोर्ट करेंगे। विश्व कप को डिज्नी+ हॉटस्टार पर मुफ्त में लाइव स्ट्रीम किया जाएगा और डीडी स्पोर्ट्स पर भी मुफ्त में प्रसारित किया जाएगा, और इससे भारत के स्वदेशी खेल को बहुत बढ़ावा मिलेगा। यह विश्व कप खेल को ओलंपिक में ले जाने की दिशा में पहला कदम है, और हमारे सभी भागीदारों की मदद से, हम दुनिया को खो-खो की खूबसूरती दिखाने की उम्मीद करते हैं। हमारे मैस्कॉट- तेजस और तारा खेल की गति, चपलता और टीम वर्क की मुख्य विशेषताओं का प्रतीक हैं। और ट्रॉफी - पुरुषों के टूर्नामेंट के लिए नीला और महिलाओं की ट्रॉफी के लिए हरा-एकता और सद्भाव का प्रतीक है, और वैश्विक स्तर पर उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करेगा। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव एम.एस. त्यागी ने कहा, यह विश्व कप खो-खो के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो हमारे स्वदेशी खेल को एक ग्लोबल इवेंट में बदल रहा है। 24 देशों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया खो-खो की सार्वभौमिक अपील और खेल के माध्यम से विविध संस्कृतियों को एकजुट करने की इसकी क्षमता को दर्शाती है। विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और हमारे सम्मानित स्टेकहोल्डर्स के समर्थन के साथ, हमें एक ऐसा टूर्नामेंट आयोजित करने का भरोसा है जो खेल उत्कृष्टता में नए मानक स्थापित करेगा और खो-खो को अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक गतिशील, आधुनिक खेल के रूप में स्थापित करेगा। यह टूर्नामेंट इस स्वदेशी खेल के इतिहास में एक ऐतिहासिक आयोजन होगा। यह ग्लोबल टैलेंट्स को एक साथ लाएगा और विश्व मंच पर भारत की खेल विरासत को प्रदर्शित करेगा।

शान्तो ने बांग्लादेश की टी-20 कप्तानी छोड़ी

ढ़ाका। बांग्लादेश की टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने अपना पद छोड़ दिया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) अध्यक्ष फारूक अहमद ने भी कहा है कि शान्तो ने पद छोड़ने की जानकारी उन्हें दी है। जिसे स्वीकार कर लिया गया। टी20ई से इस्तीफ के बाद भी शान्तो टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट में बांग्लादेश की कप्तानी करते रहेंगे। अहमद ने कहा कि शांतो ने हमें जानकारी दी है। साथ ही कहा कि हम अभी नए कप्तान के बारे में नहीं सोचेंगे। शान्तो जब फिट होंगे तो वह टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान बने रहेंगे। टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद सभी प्रारूपों के कप्तान के रूप में शान्तो का कार्यकाल काफी उम्मीदों के साथ शुरू हुआ। हालांकि वह शुरुा से ही सभी प्रारूपों में कप्तानी नहीं करना चाहते थे। अक्टूबर 2024 में भी उनहोंने सभी प्रारुपों को संभालने केा लेकर आपत्तियाँ व्यक्त की थीं पर तब बोर्ड ने उन्हें बने रहने के लिए मना लिया था। नवंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय मैच के दौरान चोट लगने के कारण शान्तो को वेस्टइंडीज दौरे से बाहर होना पड़ा। उनकी अनुपस्थिति के दौरान, कप्तानी की जिम्मेदारियां मेहदी हसन मिराज ने संभाली थीं। टी20 कप्तान के रूप में शान्तो को श्रीलंका और अमेरिका से द्विपक्षीय श्रृंखला हार का सामना करना पड़ा था। 2024 टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में बांग्लादेश बिना जीत के बाहर हो गई थी।

सिडनी टेस्ट पहला दिन : भारत ने पहली पारी में बनाए 185 रन, ऑस्ट्रेलिया ने 9 रन पर खोया 1 विकेट

सिडनी

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां खेले जा रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। पहले दिन भारत ने जहां अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए, वहीं, ऑस्ट्रेलिया की भी पहली पारी की शुरुआत खराब रही और ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दिन का खेल खत्म होने पर केवल 9 रन पर 1 विकेट खो दिया है। सैम कोंस्टास 7 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि उस्मान ख्वाजा केवल 2 रन बनाकर बुमराह का शिकार बने।

पहली पारी में भारत के लिए ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। पंत के अलावा रवींद्र जडेजा ने 26, कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 22 और शुभमन गिल ने 20 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्कॉट बोलैंड ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए।

इस मैच में रोहित शर्मा की जगह कप्तानी कर रहे जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और 8वें ओवर तक दोनों सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (04) और यशस्वी जायसवाल (10) पवेलियन लौट गए। रोहुल को मिचेल स्टॉर्क और यशस्वी को स्टॉक बौलैंड ने पवेलियन भेजा। इसके बाद विराट कोहली और शुभमन गिल ने भारत का स्कोर 50 के पार पहुंचाया, हालांकि 57 के कुल स्कोर पर गिल 20 रन बनाकर नाथन लियोन का शिकार बने।

विराट कोहली बल्ले से एक बार फिर असफल रहे और 72 के कुल स्कोर पर केवल 17 रन बनाकर बोलैंड का दूसरा शिकार बने। यहां से पंत और जडेजा ने 44 रनों की साझेदारी कर भारत का स्कोर 120 रनों तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर पंत को बोलैंड ने अपना तीसरा शिकार बनाया। पंत ने 40 रन बनाए। इसी ओवर की अगली गेंद पर बोलैंड ने नीतीश रेड्डी (00) को भी पवेलियन भेज मैच में अपना चौथा विकेट लिया। संभलकर खेल रहे जडेजा भी 134 के कुल स्कोर पर 26 रन बनाकर मिचेल स्टॉर्क की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। 148 के स्कोर पर वाशइंगटन सुंदर 14 रन बनाकर कमिंस का शिकार बने। प्रसिद्ध कृष्णा (03) बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में स्टॉर्क की गेंद पर सैम कोंस्टास को कैच दे बैठे। आखिरी में जसप्रीत बुमराह ने कुछ अच्छे शॉट खेले और टीम का स्कोर 185 तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर पैट कमिंस ने बुमराह को आउट कर भारतीय पारी का अंत किया। बुमराह ने 22 रन बनाए। मोहम्मद सिराज 3 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टॉक बोलैंड ने 4, मिचेल स्टॉर्क ने तीन, पैच कमिंस ने 2 और नाथन लियोन ने 1 विकेट लिया।

फीफा के दूसरे फ्रेंडली मैच में भारतीय महिला टीम ने मालदीव को 11-1 से हराया

बेंगलुरु

भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने गुरुवार को दूसरे मैत्री मैच में मालदीव को 11-1 से हरा दिया है। पदार्पण में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फॉरवर्ड लिंगडेकिम ने चार गोल दागे, जिसकी बदौलत भारतीय महिला टीम ने गुरुवार को खेले गए दूसरे फीफा मैत्री मैच में मालदीव को 11-1 के अंतर से हराया।

पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में खेले गए इस मैच में लिंगडेकिम ने (12वें, 16वें, 56वें और 59वें मिनट) प्रत्येक हाफ में दो दो गोल किये, जबकि मुकाबले में पदार्पण करने वाली एन. सिबानी देवी ने (45+1वें मिनट) भी एक गोल किया।

मैच में भारत की ओर से किए गए अन्य गोल में काजोल डिसूजा (15वें मिनट), पूजा (41वें मिनट), सिमरन गुरुंग (62वें और 68वें मिनट) और खुमुकचाम भूमिका देवी (71वें मिनट) ने भूमिका निभाई। मालदीव के लिए एकमात्र गोल मरियम रिफा ने 27वें मिनट में किया। जबकि मालदीव की कप्तान हवा हनीफा ने 17वें मिनट में एक आत्मघाती गोल किया, जिससे भारत की गोल संख्या में और इजाफा हुआ।

एटीपी हांगकांग ओपनः शीर्ष वरीयता प्राप्त रूबलेव दूसरे दौर में हारकर बाहर

हांगकांग। शीर्ष वरीयता प्राप्त और गत चैंपियन रूस के आंद्रे रुबलेव गुरुवार को एटीपी हांगकांग ओपन के दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गए हैं। रुबलेव को हंगरी के फैबियन मरोजसन से अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। विश्व के आठवें नंबर के खिलाड़ी रुबलेव को विक्टोरिया पार्क में खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में 58वीं रैंकिंग के मरोजसन से 5-7, 6-3, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच एक घंटे और 58 मिनट तक चला। क्वार्टर फाइनल में मारोजसन का सामना चीन के शांग जुनचेंग से होगा। 19 वर्षीय शांग ने सातवें वरीय स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज को 6-3, 6-1 से हराकर आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया। दिन के अन्य मैचों में दूसरी वरीयता प्राप्त इटली के लोरेंजो मुसेटी ने कनाडा के क्वालीफायर गेब्रियल डायलो पर जीत हासिल की, जबकि स्पेन के जाउम मुनार ने पांचवीं वरीयता प्राप्त पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस को 6-3, 7-5 से हराया।

जंपिंग स्पर्धा

कुवैत में एक घुड़सवार अंतरराष्ट्रीय शो जंपिंग स्पर्धा में भाग लेते हुए।

भारत-पाक मैचों का इंतजार सभी को रहता है : वाटसन

चैम्पियंस ट्रॉफी से फार्म हासिल करेंगे रोहित, विराट

सिडनी

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वाटसन ने कहा है भारतीय टीम का चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जाना निराशाजनक है पर इस टूर्नामेंट से विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को फार्म हासिल करने का अवसर मिल जाएगा।

भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के अपने मुकाबले दुबई में खेलेगी। वाटसन ने यहां चैम्पियंस ट्रॉफी टूर के दौरान कहा, 'यह बदकिस्मती की बात है कि ऐसे हालात बने हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत-पाकिस्तान मैचों का सभी को इंतजार रहता है। जब भी वे एक दूसरे के खिलाफ खेलते हैं तो उन मुकाबलों में जबरदस्त रोमांच रहता है। भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जा रही है पर इसमें कोई कुछ नहीं कर सकता है।

वाटसन ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी दो एकदिवसीय विश्व कप के बीच चार साल के अंतर को को कम करने का अच्छा रास्ता है।

उन्होंने कहा, 'चैम्पियंस ट्रॉफी विश्व क्रिकेट में सबसे अहम टूर्नामेंट है क्योंकि एकदिवसीय विश्व कप चार साल में एक बार होता है। यह उस इंतजार को कम करता है और इससे इससे टेस्ट क्रिकेट और टी20 के बीच संतुलन बनता है। । एकदिवसीय क्रिकेट को इस तरह के टूर्नामेंट से ऊर्जा मिलती रहती है क्योंकि यह काफी अच्छा प्रारूप है। वाटसन ने कहा, 'हम टी20 के बाद भी एकदिवसीय क्रिकेट को बनाये रखना चाहते हैं , इसलिए चैम्पियंस ट्रॉफी अहम है। इसमें सिर्फ 8 टीमें खेलती है और हर गेंद महत्वपूर्ण होती है। इसमें आपको लगातार अच्छा खेलना होता है वरना बाहर होने का खतरा बना रहता है। भारतीय टीम ने साल 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी पर उस समय विराट कोहली और रोहित शर्मा अच्छे फार्मू में थे। अभी होनो ही खराब दौर से गुजर रहे हैं। वाटसन ने कहा कि यह चिंता की बात नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि खराब दौर विराट और रोहित के प्रभाव पर कोई असर डालेगा। दुबई में हालात अलग होंगे और एकदिवसीय में वे खुलकर खेल सकेंगे। कोहली वैसे भी एकदिवसीय में अन्य प्रारुपों से बेहतर खेलते हैं। । वाटसन ने कहा, 'चैम्पियंस ट्रॉफी में रोहित के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में होने की संभावना है। ।

रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग का दूसरा संस्करण आज से, लद्दाख करेगा मेजबानी

लेह

रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग का दूसरा संस्करण 4 जनवरी, 2025 से 13 जनवरी, 2025 तक लेह के नवांग दोरजे स्टोबडान स्टेडियम में शुरु होगा। इस साल की लीग का उद्देश्य पहले संस्करण की सफलता को आगे बढ़ाना और एक बार फिर से पूरे क्षेत्र के स्थानीय प्रतिभाओं को एक साथ लाना है।

रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग 2025 में कुल 30 मैच खेले जाएंगे, जिनमें 23 पुरुषों की श्रेणी और 10 महिलाओं की श्रेणी के होंगे। पुरुषों का टूर्नामेंट 10 टीमों को दो समूहों में विभाजित करके आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। महिलाओं का टूर्नामेंट भी राउंड-रॉबिन प्रारूप में आयोजित होगा, जिसमें तीन और दो टीमों के दो समूह होंगे। सेमीफाइनल और फाइनल क्रमशः 12 जनवरी (महिलाओं का फाइनल) और 13 जनवरी (पुरुषों का फाइनल) को खेले जाएंगे।

लोसार त्योहार के बाद आयोजित होने वाली यह लीग खिलाड़ियों को सर्दियों के महीनों में सक्रिय बनाए रखने के साथ-साथ सामुदायिक जुड़ाव का अनुभव प्रदान करने का उद्देश्य रखती है। यह पहल रॉयल एनफील्ड के लद्दाख में सामाजिक मिशन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और आइस हॉकी को क्षेत्रीय स्तर पर एक प्रमुख खेल के रूप में विकसित करना है।

इस लीग की तैयारी के तहत रॉयल एनफील्ड ने लद्दाख के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे द्रास, जांस्कर, नुब्रा, कारगिल, शकर चिखतन, लेह और चांगथांग में व्यापक प्रशिक्षण और स्काउटिंग शिविर आयोजित किए।

खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए कोचों ने दिसंबर 2024 में दिल्ली में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण द्वद्व।।स्न-प्रमाणित कोच और प्रशिक्षक डैरिल ईसन के मार्गदर्शन में हुआ, जिन्होंने पहले यूके और हंगरी की राष्ट्रीय टीमों को प्रशिक्षित किया है।

रॉयल एनफील्ड की लद्दाख में आइस हॉकी के विकास के लिए चल रही प्रतिबद्धता में कई हस्तक्षेप शामिल हैं, जिनमें जमीनी स्तर पर खेलने के लिए सीखने के कार्यक्रम और ट्रेन-द-ट्रेनर पहल से लेकर आवश्यक उपकरण समर्थन तक शामिल हैं। रॉयल एनफील्ड ने आइस हॉकी एसोसिएशन ऑफ लद्दाख को दो स्केट-शार्पनिंग मशीनें भी प्रदान की हैं, जो खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करती हैं। इससे पहले, ऐसी सुविधाएं केवल लेह में ही उपलब्ध थीं, जिससे खिलाड़ियों को लॉजिस्टिकल समस्याओं का सामना करना पड़ता था।

टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीमें इस प्रकार हैं-

पुरुष टीमें: चांगला ब्लास्टर्स, कंग्स सिंग, जांस्कर चादर टेमर्स, मर्यूल स्पावो, शकर चिखतन रॉयल्स, शम वूल्व्स, पुरिग वॉरियर्स, चांगथांग शान्स, यूनाइटेड नुब्रा, हुमास वॉरियर्स।

महिला टीमें: मर्यूल स्पामो, शम ईगल्स, चांगला लामो, स्करा चिखतन क्वींस, हुमास क्वींस।

सलाह

7 दिनों तक खाली पेट खाएं लहसुन और शहद, शरीर को मिलेंगे इतने फायदे

लहसुन को सबसे शक्तिशाली सुपरफूड्स में से एक माना जाता है। हालांकि, इसकी तेज गंध हर किसी को पसंद नहीं आती है, लेकिन लहसुन से कई बीमारियों को होने से पहले की रोका जा सकता है। लहसुन से एथेरोस्क्लेरोसिस, कोरोनरी हार्ट डिजीज, हार्ट अटैक, ब्लड प्रेशर को कम करने और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी कम करने में मददगार होता है।

छोटी-मोटी बीमारियों जैसे आम सर्दी, फ्लू, बुखार, फंगल इंफेक्शन, दस्त और कीड़े के काटने में कारगर इलाज साबित होता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को समाप्त कर प्रतिरक्षा बढ़ता है और यह प्रभावी रूप से पुराने ऑस्टियोअर्थराइटिस, बढ़े हुए प्रोस्टेट और मधुमेह के लक्षणों का इलाज करता है।

जब अदरक और शहद के साथ लहसुन को मिलाकर इस्तेमाल किया जाता है, तो इसका प्रभाव अधिक बढ़ाया जाता है। यह शरीर से उन जहरीले पदार्थों को निकालने की क्षमता रखता है, जिनमें कीमोथेरेपी जैसे आक्रामक उपचार की जरूरत होती है।

बेहतर परिणाम के लिए लहसुन को कच्चा ही उपयोग करना चाहिए। लहसुन को कुचल कर करीब 15 मिनट के लिए छोड़ दें फिर खा लें। इसे कुचल कर खाने से इसमें मौजूद तत्वों की बायोअवेलेबिलिटी (जैवउपलब्धता) बढ़ जाती है। गर्म करने पर लहसुन में पाया जाने वाले एक्टिव कंपाउंड एलिसिन की क्षमता कम हो जाती है। सीधी भाषा में कहें, तो खाना पकाने से इसके चिकित्सकीय गुण कम हो जाते हैं।

लहसुन को खाली पेट खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि पेट भरा होने पर इसके पोषक तत्वों पूरी तरह अवशोषित नहीं हो पाते हैं। शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए नियमित रूप से शहद और लहसुन के टॉनिक का सेवन करना चाहिए।

एनर्जी बढ़ने के लिए यह करें

2 से 3 लहसुन की कलियों को पीस कर एक चम्मच शहद के साथ रोजाना लें। इससे शरीर की ऊर्जा का स्तर बढ़ता है और कुल मिलाकर स्वास्थ सही रहता है।

फ्लू का टॉनिक बनाने के लिए

लहसुन की 5 कलियां कटी हुई, 2 लाल मिर्च कटी हुई, 1 चम्मच अदरक कटी हुई, एक नींबू का रस, कच्चा और अनफिल्टर्ड सेब साइडर सिरका मिलाकर पीने से फ्लू का असर नहीं होता है।

अंधेरे में मोबाइल का इस्तेमाल बना सकता है अंधा

अगर आप अक्सर अंधेरे में स्मार्टफोन इस्तेमाल करते हैं तो सावधान हो जाइए, क्योंकि यह आपकी आंखों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा रहा है। एक रिसर्च में यह बात सामने आई है कि जो लोग रात में बेड में लेटकर तीस मिनट तक मोबाइल पर नजरें गड़ाए रखते हैं, उनको अंधेपन का सामना कर पड़ सकता है।

डॉक्टरों का कहना है कि जब भी आप रात में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करें तो उसकी स्क्रीन को डार्क रखें। यानी ब्राइटनेस बिल्कुल खत्म कर दें। न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में छपे में एक लेख के मुताबिक डॉक्टरों के पास इस तरह के दो केस अब तक सामने आ चुके हैं।

यह दोनों महिलाएं थीं। इन दोनों ने क्षणिक अंधेपन की बात बताई। डॉक्टर का कहना था कि क्षणिक अंधापन आंखों को नुकसान पहुंचाता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अगर स्मार्टफोन का इस्तेमाल सावधानी से किया जाए तो इस समस्या से दूर रहा जा सकता है।

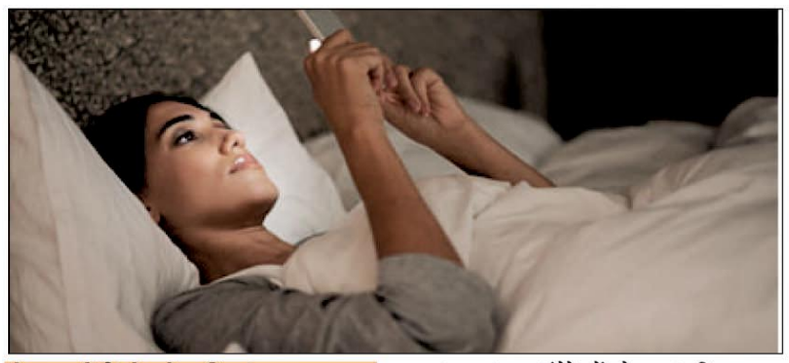

हो सकती हैं ये परेशानियां

अंधेरे में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने से बॉडी में मेलाटोनिन हॉर्मोन का लेवल कम होने लगता है। मेलाटोनिन हॉर्मोन का लेवल कम होने के साथ-साथ ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ जाता है।

अगर आप अंधेरे में रोज 30 मिनट तक स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं तो आंखें ड्राई होने लगती हैं, साथ ही इससे हमारी आंखों के रेटिना पर बुरा असर पड़ता है। अंधेरे में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने से हमारी आंखों और ब्रेन पर काफी बुरा असर पड़ता है।

पेट के बच्चे जैसे होते हैं डॉगी, समझें भाषा

पेट पैरेंट्स के दिमाग में यही सवाल कौंधता रहता है कि आखिर हमारा पेट हमसे क्या कहना चाहता है, अगर थोड़ा ध्यान दें तो पेट की भाषा को समझने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

कुत्ता पालना न सिर्फ एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बल्कि पेट ओनर बनने के लिए आपके अंदर ऐसी शारीरिक क्षमता होनी चाहिए कि आप अपने कुत्ते या पेट की बॉडी लैंग्वेज समझ सकें। पेट पैरेंट्स के दिमाग में यही सवाल कौंधता रहता है कि आखिर हमारा पेट हमसे क्या कहना चाहता है, या फिर ये अपनी पूंछ क्यों हिला रहा है? क्या ये इस वक्त खुश है या फिर डरा हुआ है, ये मेरे-पीछे पीछे पूरे घर में क्यों घूम रहा है? कहीं इसलिए तो नहीं कि इसको भूख लगी है या फिर ये मुझसे बहुत प्यार करता है इसलिए ऐसा कर रहा है? वैसे अगर आप थोड़ा ध्यान दें तो अपने पेट की भाषा को समझने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

आप उसके बिहेवियर से आसानी से जान सकते हैं कि वह इस वक्त खुश है या परेशान है। कई रिसर्च से पता चला है कि कुत्ते इंसानों खासकर टीनेजर्स की तरह न सिर्फ मूडी होते हैं, बल्कि छोटे बच्चों की तरह इमोशनल भी होते हैं। इन रिसर्चों में पता चला है कि इनके ब्रेन की बनावट इस मामले में इंसानों से मेल खाती है और उनके ब्रेन में भी ठीक वैसे ही केमिकल चेंज होते हैं, जैसे किसी इमोशनल बच्चे के दिमाग में होते हैं।

यह भी पाया गया है कि इनके दिमाग में भी दूसरों के लिए प्यार और ममता जैसे भावों के दौरान ब्रेन में बनने वाला केमिकल ऑक्सिटॉसिन बनता है। लेकिन इनके हर तरह के इमोशन को समझने के लिए फिर भी इंसान को थोड़ी मेहनत करनी होगी। एक वयस्क आदमी के बजाय कुत्ते का बिहेवियर एक दो साल के बच्चे की तरह होता है। कुत्तों के दिमाग में छोटे बच्चों वाले इमोशन ज्यादा भरे होते हैं। अपने कुत्ते के इमोशंस को समझने के लिए आपको नीचे बताए गए पॉइंट्स पर काम करना होगा ताकि आपका कुत्ता आपको समझे और आप उसे।

हमेशा पेट से हंस कर मिलें - कुत्ते बेहद सेंसिटिव होते हैं। उनके सामने आपका बिहेवियर कैसा है, यह बहुत मायने रखता है। जिस तरह एक दो साल का बच्चा आपकी तरफ अपनी हर जरूरत के लिए देखता है, उसी तरह कुत्ते का बिहेवियर आप पर डिपेंड करता है।

आपके पॉजिटिव और नेगेटिव इमोशन का उस पर बहुत बड़ा असर पड़ता है। कुत्ते इंसान की बॉडी लैंग्वेज समझने के काबिल भी होते हैं, इसलिए जरूरी है कि आप जब भी अपने पेट से मिलें तो हंस कर मिलें। अगर आप गुस्से में अपने कुत्ते को डांटते हैं और उसने अपना सिर झुका लिया है तो यह मत समझिए कि वह गिल्ट महसूस कर रहा है। इसका मतलब होता है कि वह आपके गुस्से को महसूस कर रहा है। इसलिए कुत्ते से नाराज होने पर डांटना अवॉइड ही करें, क्योंकि वह इसे नहीं समझता।

उसकी डाइट का ख्याल रखें - उसे हमेशा कंप्लीट और बैलेंस डाइट दें। यह पता लगाना कि आपके डॉग के लिए क्या अच्छा रहेगा बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि डॉग्स भी आपके बच्चों की तरह ही इमोशनल होते हैं। जबकि उनकी खाने-पीने की जरूरतें हमसे बेहद अलग होती हैं। हम लोग सोचते हैं कि हम खुद जो खाते हैं, वहीं अपने पेट को देकर हम उससे लाड़ जता रहे हैं। जबकि यह एकदम गलत है।

अगर आप भी अपने डॉग को अपने जैसी ही डाइट देते हैं, तो अपने आपसे पूछिए, क्यों छोटे बच्चों को बड़ों के मुकाबले हाई प्रोटीन, फैट और माइक्रो न्यूट्रीएंट वाला खाना दिया जाता है? क्योंकि उनकी शारीरिक रचना अलग होती है और उनकी ग्रोथ भी अलग होती है।

किसी बच्चे की तरह ही डॉग को भी प्रॉपर डाइट चाहिए होती है, जिससे उन्हें अपनी शारीरिक रचना के मुताबिक पोषण की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिले। क्या आपको पता है कि डॉग्स को अपनी डाइट में विटमिन सी की जरूरत नहीं होती, क्योंकि वे इसे खुद बना लेते हैं। जबकि वे विटामिन डी नहीं बना सकते, इसलिए उन्हें अपनी डाइट में इसकी जरूरत होती है। छोटे डॉगी को एक बच्चे के मुकाबले में तीन से चार गुना प्रोटीन और 50 गुना ज्यादा आयरन चाहिए होता है।

उसकी आंखों में देखें- आंखें आत्मा के आइने की तरह होती हैं। अमेरिकन सोसायटी फॉर द प्रिवेंशन टु क्रुअलटी टु एनिमल्स के मुताबिक, अगर आपका कुत्ता खुश और आराम में नजर आ रहा है, तो उसकी आंखें नॉर्मल शेप में होंगी। जब आपका कुत्ता अलग-अलग गतिविधियों में मशगूल होता है, तब उसकी नजरों की तरफ ध्यान देना चाहिए। अगर उसकी आंखें सामान्य से बड़ी हैं, तो वह तनाव में हो सकता है या उसे किस चीज का डर भी हो सकता है।

खान-पान

मांसाहार का बेहतर विकल्प सोया पनीर टोफू

कैल्शियम और प्रोटीन से भरपूर सोया पनीर बढ़ते बच्चों से लेकर गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों तक के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसे सोया दूध से बनाया जाता है। टोफू शरीर में कैल्शियम और प्रोटीन के स्तर को संतुलित रखता है। जिम जाने वालों के लिए भी यह बॉडी बिल्डिंग का अच्छा विकल्प हो सकता है। **आइए जानें कैसे** -

कलेस्ट्रॉल कम करने में मददगार टोफू से शरीर में खराब कलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। अगर आप मांस की जगह टोफू का सेवन करेंगे, तो ट्राइग्लिसराइड और कलेस्ट्रॉल का स्तर कम हो जाएगा।

बीमारियों से बचाए

इसके अलावा इसमें मिलने वाले ऐंटिऑक्सिडेंट शरीर में पैदा होने वाले फ्री रेडिकल्स को नष्ट करता है, जिससे आप उम्र से जवां नजर आते हैं। अगर पर्याप्त मात्रा में टोफू का सेवन किया जाए, तो यह ब्रेस्ट कैंसर, हृदय की बीमारियों और ऑस्टियोपरोसिस को भी रोकता है।

हड्डियों को मजबूत बनाए

टोफू खाने के फायदों में एक हड्डियों की मजबूती भी है। टोफू मांसपेशियों के साथ हड्डियों को भी मजबूत बनाता है। इसमें पाए जाने वाले प्रोटीन और मिनरल्स हड्डियों को मजबूत बनाए रखते हैं। इसका उचित मात्रा में सेवन महिलाओं के लिए भी फायदेमंद होता है।

मांसाहार का अच्छा विकल्प

टोफू मांसाहार का अच्छा विकल्प होने के कारण शाकाहारियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। एक शोध से पता चला है कि नियमित और पर्याप्त मात्रा में टोफू का सेवन करने वाले मांसाहार खाने वालों की तुलना में ज्यादा प्रोटीन लेते हैं। इसमें वह सब पाया जाता है, जो मांस में होता है। इसमें अमीनो ऐसिड और आइसोफ्लेवोनिस पदार्थ पाया जाता है, जिससे मांसपेशियां तेजी से विकसित होने लगती हैं।

प्रोटीन से भरपूर

टोफू प्रोटीन का एक बेहतरीन स्रोत है। सिर्फ आधे कप टोफू से हमें 10 ग्राम प्रोटीन मिलता है। इतना ही नहीं इस 10 ग्राम प्रोटीन में 88 कैलरी एनर्जी होती है। यह एनर्जी बिना त्वचा वाले एक मुर्गे से सिर्फ 45 कैलरी कम होती है। टोफू में जिंक, आयरन, सेलेनियम, पटेशियम और अन्य कई विटमिन और मिनरल्स भी पाए जाते हैं।

...तो ऐसे होगी कम पैसों में ज्यादा शॉपिंग

शॉपिंग करना भला किसे अच्छा नहीं लगता, लेकिन इसे करने का मजा तब दोगुना हो जाता है जब आप कम पैसों में ज्यादा चीजें खरीदती हैं। अगर आप प्लानिंग से चलेंगी, तो आप अपना बजट 25 ब तक कम कर सकती हैं, **बस जरूरत है इन्हें फॉलो करने की...**

सबसे पहले उन चीजों को एक डायरी पर लिख लें, जो आपको खरीदनी हो। क्वॉन्टिटी भी जरूर लिखें। यह न हो कि चाहिए दो ड्रेस और आप खरीदकर ले आएं चार ड्रेस। लिस्ट में चीजों को प्रेफरेंस के बेस पर खरीदें।

अगर सारी चीजें न खरीद पाएं, तो जरूरी चीजें लें। चीजों पर कितना खर्च होगा उसे काउंट करें और उसमें से 25 पर्सेंट कम कर दें। खास ख्याल रखें कि अब जो खर्च आया है, उसी पर टिके रहें।

आप सोच रहे होंगे कि आखिर कैसे/ तो इसके लिए ध्यान रखें उन दिनों चल रही सेल व ऑफर्स पर। यह आपके बजट को कम कर देगा। एक ही दुकान पर जाकर शॉपिंग शुरू न कर दें। पहले दो से तीन दुकान के रेट चेक कर लें।

जगह तय करें

शॉपिंग किस मार्केट से करनी है, यह पहले डिसाइड कर लें। जगह ऐसी चुनें, जहां रीजनेबल प्राइस में अच्छी चीज मिल सके। अगर आप प्लैनिंग करके नहीं चलेंगे, तो आप केवल एक दुकान से दूसरी दुकान पर घूमते रह जाएंगे।

और आखिर में जो मिलेगा उसे खरीद लेंगे। इससे समय तो खराब होता ही है, पैसे वेस्ट होंगे। सबसे अच्छा तो यह है कि उन जगहों की लिस्ट बना लें, जहां आपकी पसंद का सामान सही प्राइस में मिलता हो। उसके बाद उन जगहों में से एक को फाइनल कर लें और वहीं शॉपिंग करें।

क्रेडिट कार्ड से तौबा

शॉपिंग करते समय क्रेडिट कार्ड का यूज न करें। दरअसल, क्रेडिट कार्ड से पेमेंट आप फटाफट करते चले जाते हैं, जबकि कैश करने पर आपको सोचना पड़ता है। क्रेडिट कार्ड से ऐसी चीजें भी खरीद ली जाती हैं, जिनकी बहुत जरूरत नहीं होती, क्योंकि उस समय दिमाग में यह रहता है कि इस समय खरीद लेते हैं, बाद में किस्त देते रहेंगे।

पता कर लें प्राइस

आपको जो सामान या चीज खरीदनी हो, उसकी जानकारी के लिए आप उनकी वेबसाइट चेक करें। इंटरनेट पर आपको अलग- अलग ब्रैंड्स के प्रॉडक्ट्स की कीमत भी पता चल जाएगी। इससे आप यह भी जान पाएंगे कि कहां कौन-सा रेट चल रहा है। कौन-सी कंपनी क्या ऑफर दे रही है और कितना/

स्कैनर पर रखें नजर

पेमेंट करते समय स्कैनर पर जरूर नजर रखें। हो सकता है कि कैशियर एक प्रॉडक्ट को दोबारा बिल में जोड़ दे या वह किसी प्रॉडक्ट की कीमत ज्यादा लिख दे।

पीक आवर्स में शॉपिंग न करें

हमेशा शॉपिंग ऐसे समय पर ही करने जाएं, जब भीड़ कम हो और पेमेंट के लिए लाइन छोटी हो। साथ ही आपके पास भी फुर्सत हो। हमें कोशिश करनी चाहिए कि शाम, रात और रविवार की दोपहर में शॉपिंग पर न जाएं।

रेसिपी

घर में ऐसे बनाएं गुजराती नमकीन चोराफली

सामग्री

गुजराती डिश में हम आपको एक गुजराती नमकीन की रेसिपी बताने जा रहे हैं। इसे एक बार बनाकर रखने से आप इसे एक महीने तक खा सकते हैं। गुजराती नमकीन का नाम चोराफली है।

इस नमकीन को चोराफली फाफड़ा भी कहते हैं। आमतौर पर गुजरात में चोराफली त्योहारों पर बनाया जाता है, लेकिन कुरकुरे और चटपटे चोराफली को आप अपने स्नैक्स के लिए बनाकर रख सकते हैं।

ऐसे बनाएं

- चोराफली को बनाने के लिए बेसन, उरद दाल का आटा, 2 टेबल स्पून तेल और नमक डालकर मिला लें
- इसे पानी की मदद से सख्त आटा गूंथ लें
- तैयार आटे को 1 घंटे के लिए ढककर रख दें
- एक घंटे के बाद आटे को एक बार फिर अच्छे से मसलते हुए सॉफ्ट कर लें
- अब इसकी छोटी-छोटी लोइयां काटें

लोइयों को पतला बेलें

- तैयार पूरी को 1-1.5 सेमी की चौड़ाई में लंबी-लंबी पट्टियों में काट लें
- इसके बाद कढ़ाई में तेल गर्म करें और इन्हें तलें
- जब ये फूलकर उपर आ जाएं तो इन्हें पलटें और हल्का ब्राउन होने तक फ्राई करें
- गर्म चोराफली पर ही काला नमक और लालमिर्च पाउडर छिड़ककर मिक्स करें
- इस तरह तैयार गुजराती नमकीन चोराफली

माउथवॉश से दूर हो जाएंगी स्किन की पुरानी से पुरानी परेशानियां, ऐसे करें ट्राई

मुंह से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए लोग माउथवॉश का इस्तेमाल करते हैं। क्या आपको पता है कि माउथवॉश सिर्फ मुंह की दुर्गंध के लिए ही नहीं बल्कि और भी कई परेशानियों का हल है।

माउथवॉश से जुड़े ब्यूटी टिप्स शायद ही महिलाओं को मालूम हों। माउथवॉश से ब्यूटी से जुड़ी कई परेशानियों को दूर किया जा सकता है। अगली स्लाइड में जानिए माउथवॉश को किस तरह इस्तेमाल करने से स्किन की समस्याएं दूर हो जाएंगी।

मुंह से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए लोग माउथवॉश का इस्तेमाल करते हैं। क्या आपको पता है कि माउथवॉश सिर्फ मुंह की दुर्गंध के लिए ही नहीं बल्कि और भी कई परेशानियों का हल है।

माउथवॉश से जुड़े ब्यूटी टिप्स शायद ही महिलाओं को मालूम हों। माउथवॉश से ब्यूटी से जुड़ी कई परेशानियों को दूर किया जा सकता है। अगली स्लाइड में जानिए माउथवॉश को किस तरह इस्तेमाल करने से स्किन की समस्याएं दूर हो जाएंगी।

रूसी

ठंडियों में बालों में रूसी की समस्या होना आम है। इस समस्या के लिए माउथवॉश कारगर साबित होगा। बालों को शैंपू के साथ धोने के बाद जड़ों पर माउथवॉश से मसाज करें और फिर पानी से बाल धोकर कंडीशनर करें। हफ्ते में एक बार ऐसा करने से एक महीने बाद रूसी गायब हो जाएगी।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**